आर.एन.आई. नबंर - MPHIN/2014/56594

वर्ष-11। अंक 177। मूल्य - 2 रुपए । पृष्ठ-08 । नगर संस्करण

!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!

इंदौर, व भोपाल, रायपुर व बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित

दैनिक आदित्य भारत

सदैव सत्य के साथ...

इंदौर, मंगलवार, 01 जुलाई, 2025

जल संरक्षण के प्रयास देश की उन्नति में देंगे योगदान : पीएम मोदी

90 दिवसीय जल गंगा संवर्धन अभियान का हुआ समापन : प्रधानमंत्री के नेतृत्व और दृष्टि ने जल-संरक्षण को राष्ट्रीय चेतना में बदला : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

संवाददाता ● भोपाल

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और उनकी टीम के जल संवर्धन और संचयन के कार्यों से जल गंगा संवर्धन अभियान को जन-आंदोलन बनते देखना सुखद अनुभूति है। प्रधानमंत्री मोदी ने मध्यप्रदेश के लाखों लोगों के परिश्रम, समर्पण और आस्था से संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान के समापन अवसर पर प्रेषित अपने संदेश में प्रदेशवासियों, विशेषतः जलदूतों, स्व-सहायता समूह की महिलाओं और किसानों को शुभकामनाएँ दीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पानी की एक-एक बूँद बचाने के लिये 90 दिन तक चले जल गंगा संवर्धन अभियान में जन-भागीदारी से हुए कार्यों को ऐतिहासिक बताते हुए प्रदेशवासियों को उनके योगदान के लिये धन्यवाद दिया।

प्रधानमंत्री मोदी ने मध्यप्रदेश के लाखों लोगों के परिश्रम, समर्पण और आस्था से संचालित 'जल गंगा संवर्धन अभियान' के समापन अवसर

पर जारी अपने संदेश में यह बात कही। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. यादव सहित प्रदेशवासियों को इस सफलता के लिये बधाई भी दी।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में गुड़ीपड़वा से आरंभ हुए जल गंगा संवर्धन अभियान का सोमवार को खण्डवा में समारोहपूर्वक समापन हुआ। इस दौरान वॉटर शेड सम्मेलन भी आयोजित किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समारोह में 1568 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन किया। उन्होंने पंचायत एवं ग्रामीण विकास के तहत पंचायतों में हुए 578 करोड़ लागत के 57207 कार्यों का लोकार्पण भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वॉटर-शेड विकास घटक के अंतर्गत प्रदेशभर के 888 जल संरक्षण कार्यों का लोकार्पण और खण्डवा जिले की जावर माइक्रो सिंचाई परियोजना एवं 3 अन्य सिंचाई परियोजनाओं का लोकार्पण किया। इस दौरान प्रदेश की जीर्णोद्धार की गई 74 जल संरचनाओं का लोकार्पण भी हुआ। समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा भेजे गये संदेश का वाचन पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल ने किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत में आदिकाल से जल की वंदना होती आई है और हमारी संस्कृति में नदियों, कुओं, तालाबों और बावडियों को पूजनीय मानकर उनके संरक्षण की परम्परा रही है। इस विरासत को समृद्ध करते हुए 'जल गंगा संवर्धन अभियान' नदियों को निर्मल, अविरल और सदानीरा बनाने के लिए जन-जागरूकता की दिशा में एक प्रेरणादायी प्रयास रहा है। जन भागीदारी की शक्ति से ऊर्जित यह एक उत्कृष्ट अभियान बना जिसमें मध्यप्रदेश के सामर्थ्यवान व प्रकृति प्रेमी साथियों का योगदान प्रशंसनीय रहा है। जल संग्रहण संरचनाओं के निर्माण में खंडवा की उपलब्धि लोगों को प्रेरित करेगी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पर्यावरण के साथ जुड़ाव और भावी पीढ़ियों के लिए एक स्वस्थ व सुंदर धरा सुनिश्चित करने का हमारा संकल्प जन-जन के भागीरथ प्रयासों से ही संभव हो पाएगा।

इस कड़ी में 'वॉटरशेड सम्मेलन' का आयोजन जल संरक्षण के क्षेत्र में विभिन्न हितधारकों के अनुभव साझा करने और हर स्तर पर जल प्रबंधन की रणनीतियों को सशक्त करने का माध्यम बनेगा। 'एक पेड़ मां के नाम' कार्यक्रम के अंतर्गत प्रदेश में तीस हज़ार एकड़ से अधिक भूमि पर फलोद्यान विकसित करने की योजना, मातृभक्ति-पर्यावरण संरक्षण और आर्थिक सशक्तिकरण को एक साथ जोड़ने की सराहनीय पहल है। यह कार्यक्रम नदियों के किनारे हरियाली बढ़ाने और भू-जल स्तर सुधारने में सहायक सिद्ध होगा। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पिछले एक दशक में विभिन्न योजनाओं और निर्णयों में जल संरक्षण से जुड़े पहलुओं को अभूतपूर्व प्राथमिकता दी गई है। नमामि गंगे मिशन हो, केन-बेतवा लिंक परियोजना हो या नर्मदा-क्षिप्रा पुनर्जीवन की पहल, हम जल संरक्षण व पर्यावरण को सुरक्षित करने के लिए कृतसंकल्पित हैं। जल संरक्षण आज हमारी सामाजिक और आर्थिक जरूरत भी है, क्योंकि जल संरक्षित रहेगा तो हमारे किसान खुशहाल रहेंगे, उद्योग चलेंगे और सभी प्राणियों का जीवन सुरक्षित रहेगा।

प्रधानमंत्री आधुनिक युग के भागीरथ : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री मोदी ने मध्यप्रदेश को एक नहीं, तीन राष्ट्रीय नदी जोड़ो परियोजनाओं की सौगात दी है, जो भविष्य में देश-प्रदेश में जल संरक्षण एवं संवर्धन की नई दिशा तय करेंगी। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को वर्तमान युग का भागीरथ बताया। उनके नेतृत्व और दृष्टि ने जल संरक्षण को राष्ट्रीय चेतना में बदल दिया है। प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में गुड़ी पड़वा 30 मार्च से 30 जून तक सभी जिलों में जल स्रोतों के संरक्षण के लिए नवाचार किए गए। अभियान में मनरेगा योजना के अंतर्गत खेत तालाब, अमृत सरोवर और कूप रिचार्ज पिट का निर्माण एवं जल संरचाओं का जीर्णोद्धार किया गया। जल स्त्रोतों के संरक्षण में 2 लाख 39 हजार जलदूतों का सहयोग मिला, वे जल संवर्धन के संवाहक बने हैं। कुल 38 हजार नए खेत तालाब बनाए गए हैं। अकेले खंडवा जिले में 254 करोड़ की लागत से 1 लाख से अधिक कुएं रिचार्ज किए गए। इसके लिए खंडवा को देश में प्रथम स्थान मिला है। आज इंदौर संभाग स्वच्छता और जल संरक्षण में नंबर-एक है। प्रदेशभर में 70 हजार कुओं, बावड़ियों, नदियों और तालाबों का संरक्षण किया गया है।

तेलंगाना की केमिकल फैक्ट्री में धमाका

12 मजदूरों की मौत और 34 जख्मी

अब तक 4 शव बरामद; ब्लास्ट के वक्त 150 लोग मौजूद थे

एजेंसी ● संगारेड्डी

तेलंगाना के संगारेड्डी जिले में सोमवार सुबह दवा बनाने वाली फैक्ट्री की रिएक्टर यूनिट में विस्फोट हो गया। घटना में 12 मजदूरों की मौत हो गई, 34 लोग जख्मी हैं। हादसा पाशमिलारम इंडस्ट्रियल एरिया स्थित सिगाची इंडस्ट्रीज में सुबह 8:.15 बजे से 9.30 बजे के बीच हुआ।

राज्य के श्रम मंत्री जी विवेक वेंकटस्वामी ने कहा- अबतक 4 शव बरामद हुए हैं। हमें उम्मीद है कि अब और कोई मौत नहीं होगी। IG वी सत्यनारायण ने बताया कि घटना के दौरान फैक्ट्री में 150 लोग थे, जहां ब्लास्ट हुआ वहां 90 लोग मौजूद थे।

उन्होंने कहा कि NDRF, DRF, SDRF की टीमों के साथ ही फायर ब्रिगेड की 10 गाड़ियां मौजूद हैं। ब्लास्ट के कारणों का पता लगाया जा रहा है। रिएक्टर में तेजी से केमिकल रिएक्शन होने से ब्लास्ट की संभावना जताई गई है।

इधर, पीएम मोदी ने X पोस्ट के जरिए ब्लास्ट की घटना पर दुख जताया। पीएम नेशनल रिलीफ फंड से मृतकों के परिजन को 2 लाख और घायलों को 50 हजार की मदद की घोषणा की।

एक मजदूर ने बताया कि मैं सुबह 7 बजे नाइट शिफ्ट पूरी करके बाहर निकला था। सुबह की शिफ्ट का स्टाफ अंदर आ चुका था। धमाका करीब करीब 8 बजे हुआ। शिफ्ट में मोबाइल जमा हो जाता है, इस वजह अंदर काम कर रहे लोगों की कोई खबर नहीं मिल पाई। एक मजदूर की महिला परिजन ने बताया कि उनके परिवार के चार लोग फैक्ट्री में काम करते हैं। इनमें उनका बेटा, दामाद, जेठ और देवर शामिल हैं। इनमें से तीन सुबह की शिफ्ट में थे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक धमाका इतना तेज था कि वहां काम कर रहे मजदूर करीब 100 मीटर दूर जाकर गिरे। विस्फोट की वजह से रिएक्टर यूनिट तबाह हो गई है। कंपनी के एक कर्मचारी ने बताया कि अधिकतर मजदूर मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार, ओडिशा और पश्चिम बंगाल के रहने वाले हैं। एक शिफ्ट में 60 से ज्यादा मजदूर और 40 अन्य लोगों का स्टाफ काम करता है।

धमाके से कई मीटर दूर जा गिरे मजदूर

65 देशों में एक्सपोर्ट होते हैं कंपनी के प्रोडक्ट सिगाची इंडस्ट्रीज फार्मास्यूटिकल पाउडर बनाती है। यह साल 1989 से माइक्रोक्रिस्टलाइन सेलुलोज (MCC) बना रही है। यह सफेद रंग का पाउडर होता है। इसमें कोई गंध या स्वाद नहीं होता है। MCC का उपयोग दवा और कॉस्मेटिक इंडस्ट्री में किया जाता है। सिगाची इंडस्ट्रीज की हैदराबाद समेत पूरे देश में पांच फैक्ट्रियां हैं। कंपनी के प्रोडक्ट 65 से ज्यादा देशों में एक्सपोर्ट किए जाते हैं।

फैक्ट्री में ब्लास्ट के बाद बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में सिगाची इंडस्ट्रीज के शेयर में 9.89% की गिरावट आई। तब तक यह 49.72 रुपए प्रति शेयर पर कारोबार कर रहा है।

"एक बगिया माँ के नाम" परियोजना 15 अगस्त से

प्रधानमंत्री श्री मोदी के एक पेड़ मां के नाम अभियान से मिली प्रेरणा : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मनरेगा से 30 हजार से अधिक महिलाओं की निजी भूमि पर लगेंगे 30 लाख फलदार पौधे

संवाददाता ● भोपाल

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा स्वसहायता समूह की महिलाओं की आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाने के लिए पूरे देश में ज्ञान अभियान चलाया जा रहा है। पीएम मोदी के एक पेड़ मां के नाम अभियान से प्रेरित होकर प्रदेश में भी नई परियोजना शुरू की जाएगी। राज्य सरकार द्वारा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं और कई महत्वपूर्ण योजनाएं संचालित की जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जल गंगा संवर्धन अभियान के समापन अवसर पर स्वसहायता समूह की महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए बड़ी घोषणा की है। प्रदेश में मनरेगा के माध्यम से "एक बगिया माँ के नाम" परियोजना चलाई जाएगी। परियोजना के अंतर्गत मनरेगा के माध्यम से प्रदेश की 30 हजार से अधिक स्व सहायता समूह की पात्र महिलाओं की निजी भूमि पर 30 लाख से अधिक फलदार पौधे लगाएं जाएंगे जो महिलाओं की आर्थिक तरक्की का आधार बनेंगे।

प्रदेश की स्व-सहायता समूह की 30 हजार से अधिक महिलाओं की 30 हजार एकड़ निजी भूमि पर ''एक बगिया माँ के नाम'' परियोजना के अंतर्गत पौधरोपण किया जाएगा। लगभग 1000 करोड़ रुपए की लागत से आजीविका संवर्द्धन के लिए 30 लाख उद्यानिकी पौधों का रोपण कर फलोद्यान का विकास किया जाएगा।परियोजना के तहत हितग्राहियों को पौधे, खाद, गड्ढे खोदने के साथ ही पौधों की सुरक्षा के लिए कटीले तार की फेंसिंग और सिंचाई के लिए 50 हजार लीटर का जल कुंड बनाने के लिए राशि प्रदान की जाएगी। साथ ही उद्यान के विकास के लिए महिला हितग्राहियों को प्रशिक्षित भी किया

जाएगा। "एक बगिया माँ के नाम'' परियोजना अंतर्गत फलदार पौधारोपण का कार्य प्रदेश में 15 अगस्त से अभियान के रूप में शुरू होगा जो 15 सितंबर तक चलेगा। "एक बगिया माँ के नाम'' परियोजना के अंतर्गत आजीविका मिशन के स्व-सहायता समूह की ऐसी महिला सदस्य, जो फलदार पौधारोपण करने हेतु इच्छुक हों, का चयन किया जाएगा। चयनित महिला हितग्राही के नाम पर भूमि नहीं होने की दशा में उस महिला के पति-पिता-ससुर-पुत्र की भूमि पर उनकी सहमति के आधार पर पौधरोपण किया जाएगा।

अत्याधुनिक तकनीक से किया जाएगा स्थल चयन

"एक बगिया माँ के नाम'' परियोजना अंतर्गत पौधरोपण के लिए स्थल का चयन अत्याधुनिक तकनीक (सिपरी सॉफ्टवेयर) के माध्यम से किया जाएगा। स्थल चयन के लिए सिपरी सॉफ्टवेयर के माध्यम से चयनित हितग्राही की भूमि का परीक्षण किया जाएगा। साथ ही तकनीक के माध्यम से जलवायु, कौन सा फलदार पौधा जमीन के लिए उपयुक्त है, पौधा किस समय और कब लगाया जाएगा इसका भी सिपरी सॉफ्टवेयर के माध्यम से पता लगाया जाएगा। उपयोगी जमीन नहीं पाए जाने पर पौधरोपण का कार्य नहीं होगा।

तेलंगाना BJP विधायक टी राजा ने पार्टी छोड़ी

हैदराबाद। तेलंगाना के भाजपा विधायक टी राजा सिंह ने सोमवार को पार्टी की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। गोशामहल विधायक टी राजा ने पूर्व

एमएलसी रामचंदर राव को तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष बनाने की खबरों पर कड़ी नाराजगी जताते हुए भाजपा की प्राथमिक सदस्यता छोड़ दी। टी. राजा ने भाजपा तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष जी किशन रेड्डी को अपना इस्तीफा भेजा है। उन्होंने लिखा कि बहुत सारे लोग चुप हैं, इसे उनकी सहमति न समझा जाए। यह लाखों कार्यकर्ताओं के लिए सदमे जैसा है। टी राजा ने केंद्री नेतृत्व से अपील की कि वे अपने फैसले पर दोबारा विचार करें। तेलंगाना में भाजपा अध्यक्ष चुनाव के लिए आज नामांकन किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव खण्डवा में श्री दादाजी दरबार भूमि-पूजन महोत्सव में हुए शामिल, कहा-

लाखों भक्तों की आस्था का प्रतीक श्री धूनी वाले दादा का मंदिर

संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि श्री धूनी वाले दादाजी मंदिर जिलेवासियों सहित निमाड़ क्षेत्र के भक्तों की आस्था का प्रमुख केंद्र है। यह केवल एक मंदिर नहीं लाखों भक्तों की आस्था एवं उनकी श्रद्धा का प्रतीक है। मंदिर निर्माण की कई बरसों पूर्व की कामना आज शिलान्यास के साथ पूर्ण हुई जो एक नए आध्यात्मिक युग का प्रारंभ हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोमवार को खंडवा में आयोजित श्री दादाजी दरबार भूमि-पूजन महोत्सव में पहुँचकर समाधि के दर्शन और पूजन-अर्चन किया। उन्होने भव्य मंदिर निर्माण के लिए भूमि-पूजन स्थल पर पुष्प अर्पित किए।

श्री धूनी वाले दादाजी मंदिर के भव्य निर्माण के लिए भूमि-पूजन वेद-ऋचाओं

के उच्चारण के साथ संतों, जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं स्थानीय लोगों की उपस्थिति में हुआ। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्री दादाजी दरबार में श्री बड़े और छोटे दादाजी महाराज की समाधियों के दर्शन कर पूजन अर्चन किया और धूनीमाई में आहूति अर्पित कर प्रार्थना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समाधी स्थल पर संतों की उपस्थिति में पुष्प अर्पित किये।

श्री धूनी वाले दादाजी का भव्य मंदिर निर्माण किया जाएगा

श्री धूनी वाले दादाजी मंदिर का निर्माण 22 एकड़ भूमि पर 100 करोड़ की लागत से किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ट्रस्ट द्वारा जितना संभव हो उतना मंदिर का निर्माण कार्य किया जाए, उसके बाद शेष रहे कार्य का निर्माण शासन द्वारा किया जाएगा। मंदिर का निर्माण शिर्डी एवं अक्षरधाम मंदिर की तर्ज पर विभिन्न चरणों में किया जाएगा। मंदिर निर्माण में संगमरमर का उपयोग होगा। निर्माण कार्य का प्रारंभ गुरु पूर्णिमा के बाद किया जाएगा। भव्य मंदिर निर्माण में आधुनिक गौशाला, सेवाधारी निवास, पार्किंग व्यवस्था, भक्त निवास, भोजनशाला एवं नर्मदा परिक्रमावासी विश्रामस्थल का निर्माण किया जाएगा।

श्री दादा गुरु महाराज ने कहा कि यह मंदिर निर्माण नहीं बल्कि एक युग का प्रारंभ होगा। भारत के आध्यात्मिक चारों धामों के बाद किसी धाम की गिनती होती है तो वह है श्री दादाजी धाम जो पांचवां धाम हैं। ये मंदिर श्रद्धा, सेवा एवं आध्यात्म का पवित्र केन्द्र है।

कार्यक्रम में नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल, जनजातीय कार्य विभाग मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग एवं प्रभारी मंत्री श्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी, सांसद श्री ज्ञानेश्वर पाटिल, बुरहानपुर विधायक श्रीमती अर्चना चिटनीस, पंधाना विधायक श्रीमती छाया मोरे, महापौर श्रीमती अमृता यादव, विधायक श्री कंचन तनवे सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारीगण उपस्थित थे।

!! श्रीकृष्ण शरणम्मम !!
दैनिक अदित्य भारत
सदैव सत्य के साथ...
इंदौर, मंगलवार, 01 जुलाई, 2025
www.adityabharat.com

भारतीय स्टेट बैंक ने 70वें स्थापना दिवस पर

'आकृति रिट्रीट कॉलोनी' में किया वृक्षारोपण कार्यक्रम

संवाददाता ● भोपाल

भारतीय स्टेट बैंक शाहपुरा शाखा ने SBI के 70वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में पर्यावरण सरंक्षण की दिशा में एक प्रेरणादायक पहल करते हुए आकृति रिट्रीट कॉलोनी में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर कॉलोनी परिसर में 50 से अधिक फलदार एवं छायादार पौधे रोपे गए तथा उपस्थित आगंतुकों और कॉलोनी निवासियों को 70 तुलसी के पौधे उपहारस्वरूप भेंट किए गए, जो भारतीय परंपरा में स्वास्थ्य और शुद्धता का प्रतीक माने जाते हैं। बैंक द्वारा "स्वच्छता अभियान के तहत" कॉलोनी के पार्कों में गीला-सूखा कचरा डस्ट बिन भी भेंट किए गए। लगभग 40 बच्चों ने पेंटिंग कार्यक्रम में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया एवं "जीवन में वृक्षों की महति भूमिका" विषय पर एक से बढ़कर एक पेंटिंग की । रहवासियों ने बैंकिंग एवम साइबर सिक्योरिटी विषय पर आयोजित क्विज में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। कॉलोनी के निवासी एवं उपाध्यक्ष श्री देवेन्द्र प्रकाश तिवारी द्वारा वेस्ट मटेरियल से बनाई गई कलाकृतियां आकर्षण का केंद्र रहीं।

वृक्षारोपण

समाज को संदेश दिया कि अपशिष्ट (waste) केवल कचरा नहीं होता, बल्कि रचनात्मक दृष्टिकोण से वह कला का माध्यम बन सकता है। कार्यक्रम में स्थानीय नागरिकों के साथ-साथ विशिष्ट अतिथियों की भागीदारी रही। विशेष रूप से वार्ड क्रमांक 52 पार्षद महोदया श्रीमती शीला रामबाबू पाटीदार ने इस आयोजन की शोभा बढ़ाई तथा स्वयं भी वृक्षारोपण कर पर्यावरण सरंक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाई। कार्यक्रम में कॉलोनी के अध्यक्ष श्री महेश शर्मा, उपाध्यक्ष श्री सर्वेश सचान, श्री देवेन्द्र प्रकाश तिवारी, भारतीय स्टेट बैंक, क्षेत्र-1 भोपाल की क्षेत्रीय प्रबंधक श्रीमती श्रेष्ठा मिश्रा , श्री संदीप चांडक, श्री राजेश गुप्ता एवं शाहपुरा शाखा के मुख्य प्रबंधक श्री रामगोपाल धाकड़ अपनी पूरी शाखा टीम के साथ उपस्थित रहे एवं वृक्षारोपण किया इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रबंधक महोदया ने SBI की 70 वर्षों की सेवा यात्रा को रेखांकित करते हुए कहा कि बैंक आगे भी सामाजिक और हरित पहलों को प्राथमिकता देता रहेगा। मुख्य प्रबंधक, SBI शाहपुरा शाखा ने भी कहा, "स्थापना दिवस केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि हमारे मूल मूल्यों सेवा, विश्वास और समाज के प्रति उत्तरदायित्व को दोहराने का अवसर है। यह वृक्षारोपण कार्यक्रम प्रकृति के प्रति हमारी कृतज्ञता का प्रतीक है।"

शॉट न्यूज

आपसी विवाद में मारपीट, पत्थर और डंडे से हमला

इंदौर। एरोड्रम इलाके में आपसी विवाद में पड़ोसियों के बीच मारपीट हो गई। दौरान दोनों पक्ष ने एक-दूसरे पर पत्थर और डंडे से हमला कर दिया। पुलिस ने दोनों पक्षों पर केस दर्ज किया है। एरोड्रम पुलिस के मुताबिक घटना द्वारकाधीश कॉलोनी की हैं। यहां रहने वाली कमला पति ब्रजमोहन की रिपोर्ट पर आरोपी दीपक पुरोहित के खिलाफ केस दर्ज किया गया हैं। फरियादी ने पुलिस को बताया कि आरोपी पड़ोसी दीपक दीवार ठोंक रहा था। मैं बाहर निकल कर देख रही थी तो वह बोला हमारे घर की तरफ क्यों देख रही हो, अपने घर में जाओ। मैंने बोला कि मैं तो रोड पर खडी हूं, आपके घर के अन्दर नहीं। इसी बात को लेकर आरोपी ने अपने घर की तीसरी मंजिल से बाहर आकर मुझे गालियां दी। मैंने उसे गालियां देने से मना किया तो उसने पत्थर से हमला कर दिया। इससे मेरे सिर में चोट आई और खून निकलने लगा।

बिजली का तार क्यों काटा...युवक को चाकू मारा

इंदौर। खुड़ैल इलाके में घर का बिजली का तार काट देने को लेकर हुए विवाद में आरोपी ने पडोसी युवक पर चाकू से वार कर घायल कर दिया। खुड़ैल पुलिस के मुताबिक चाकूबाजी की घटना ग्राम सातमिल में हुई। घायल का नाम राजकुमार नायक है। पुलिस ने फरियादी महेन्द्र नायक की रिपोर्ट पर आरोपी विक्रम निवासी रेणुका टेकरी के खिलाफ केस दर्ज किया है। फरियादी ने पुलिस को बताया कि गत शाम 7 बजे मेरे भाई राजकुमार के घर की बिजली का तार पडोसी विक्रम ने काट दिया था। राजकुमार ने विक्रम से बोला कि बिजली का तार क्यों काटा। इसी बात को लेकर विक्रम और बेटा उसका करण गालियां देने लगे। हमने मना किया तो आरोपियों ने चाकू से राजकुमार की कमर और पसली के बीच में वार कर दिए। जान से मारने की धमकी दी।

रास्ते से निकलने के विवाद में जानलेवा हमला

इंदौर। चंदन नगर इलाके में रास्ते से निकलने की बात को लेकर हुए विवाद में वर्ग विशेष के बदमाशों ने युवक पर चाकू से जानलेवा हमला किया और फरार हो गए। घटना से क्षेत्र में तनाव की स्थिति निर्मित हो गई। घटना रविवार रात डायमंड पैलेस सिरपुर की है। यहां रहने वाले गुड्डू पिता गोवर्धन पटेल 32 साल ने पुलिस को बताया कि वह घर के सामने खड़ा था तभी कब्रिस्तान की ओर से सोहेल पिता सलीम आया और रास्ते से निकलने की बात को लेकर विवाद करने लगा। कुछ देर बाद सोहेल अपने साथी शाहनवाज पिता मकसूद कुरैशी , वकार खान, भूरा खान, जावेद, फैजान और कबीर के साथ आया। सभी ने मिलकर मारपीट की और सोहेल ने सिर पर लोहे की राड से हमला किया वहीं शाहनवाज ने पेट और सीने पर चाकू मार दिया जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद आरोपी धमकी देकर भाग गए। घायल को परिजन और स्थानीय लोगों ने अस्पताल में भर्ती कराया। घटना से क्षेत्र में तनाव की स्थिति बन गई।

भोपाल मंडल में गुना-बीना सेक्शन और

बीना स्टेशन का एसएजी स्तर की टीम द्वारा संरक्षा ऑडिट निरीक्षण

संवाददाता ● भोपाल

भोपाल मंडल में रेल संरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पश्चिम मध्य रेलवे के प्रमुख मुख्य संरक्षा अधिकारी श्री प्रवीन खोराना के नेतृत्व में एसएजी लेवल सेफ्टी ऑडिट टीम ने गुना-बीना सेक्शन और बीना स्टेशन का गहन संरक्षा निरीक्षण किया। इस अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक भोपाल एवं मंडल के सभी वरिष्ठ अधिकारी और निरीक्षक भी उपस्थित रहे और निरीक्षण कार्य में सक्रिय भागीदारी निभाई।

निरीक्षण

निरीक्षण के दौरान एसएजी लेवल की टीम ने गुना-बीना सेक्शन पर स्थित इंजीनियरिंग गेट, ट्रैफिक गेट, महत्वपूर्ण पुल, प्वाइंट एवं क्रॉसिंग, कर्व और विभिन्न स्टेशनों तथा यार्डों का गहन निरीक्षण कर संरक्षा से जुड़े सभी पहलुओं की बारीकी से समीक्षा की। टीम द्वारा संरक्षा मानकों के

अनुपालन की स्थिति का जायजा लिया गया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बीना स्टेशन पर विशेष रूप से गार्ड एवं लोको पायलट लॉबी, रनिंग रूम, दुर्घटना राहत गाड़ी तथा दुर्घटना राहत मेडिकल वैन की व्यवस्था एवं कार्यप्रणाली का निरीक्षण किया गया। टीम ने उपलब्ध सुविधाओं एवं संरक्षा उपकरणों की स्थिति की जांच करते हुए दुर्घटना से निपटने की तैयारियों की समीक्षा की।वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ कटारिया ने बताया कि पश्चिम मध्य रेलवे संरक्षा मानकों पर विशेष ध्यान देते हुए समय-समय पर इस प्रकार के निरीक्षण कर संरक्षा में निरंतर सुधार सुनिश्चित करता है। इस निरीक्षण के माध्यम से प्राप्त सुझावों को शीघ्र ही अमल में लाया जाएगा ताकि संरक्षा स्तर को और सुदृढ़ बनाया जा सके।

इंदौर से जम्मू की फ्लाइट शुरू करने की मांग

इंदौर। इंदौर से जम्मू के लिए फ्लाइट को दोबारा शुरू करने की मांग ट्रैवल एजेंट्स ने की है। दरअसल, इंदौर के देवी अहिल्याबाई होलकर एयरपोर्ट से जम्मू के लिए संचालित होने वाली फ्लाइट को ऑपरेशन सिंदूर के वक्त अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया था। लेकिन अब तक एयरलाइंस ने इस रूट पर उड़ान शुरू नहीं की है। अमरनाथ यात्रा के चलते इस रूट की मांग काफी बढ़ गई है, लेकिन सीधी उड़ान बंद होने से यात्रियों को वैकल्पिक फ्लाइट्स का सहारा लेना पड़ रहा है। दिल्ली होकर जम्मू पहुंचने में अब ज्यादा समय और खर्च दोनों लग रहे हैं। इंदौर एयरपोर्ट सूत्रों के मुताबिक, जम्मू के लिए उड़ान को एयरलाइन ने अभी तक अपने शेड्यूल में शामिल नहीं किया है। पहलगाम हमले से पहले इस फ्लाइट की मांग काफी थी। यात्री इंदौर से जम्मू जाकर वैष्णो देवी और श्रीनगर जैसे स्थलों पर जाते थे। वापसी में भी कई यात्री इसी फ्लाइट का उपयोग करते थे। फ्लाइट की सीधी सेवा से लोग सिर्फ दो घंटे में जम्मू पहुंच जाते थे। ट्रैवल एजेंटों ने मांग की है कि इस रूट पर उड़ान को जल्द से जल्द फिर से शुरू किया जाए। एजेंट्स का कहना है कि इससे धार्मिक यात्रियों को बड़ा फायदा होगा और समय व खर्च भी बचेगा। इस रूट पर इंडिगो की फ्लाइट सुबह 9 बजे इंदौर से रवाना होती थी और सुबह 11 बजे जम्मू पहुंचती थी। इससे पहले इंदौर से कोलकाता की एक सीधी फ्लाइट भी बंद हो चुकी है, जिससे पूर्वी भारत जाने वाले यात्रियों के विकल्प सीमित हो गए हैं। इसके अलावा लखनऊ, वाराणसी, प्रयागराज, किशनगढ़ और बेलगावी की फ्लाइट भी बंद हो चुकी हैं। वहीं, जिन शहरों के लिए दो या अधिक उड़ानें थीं, वहां अब केवल एक ही सेवा बची है।

जूनिपर ग्रीन एनर्जी ने 3000 करोड़ के

आईपीओ के लिए सेबी के पास डीआरएचपी दाखिल किया

संवाददाता ● मुंबई

जूनिपर ग्रीन एनर्जी लिमिटेड, 31 दिसंबर, 2024 तक कुल क्षमता के मामले में भारत के शीर्ष 10 सबसे बड़े नवीकरणीय स्वतंत्र बिजली उत्पादकों ("IPPs") में से एक है। कुल क्षमता में ऑपरेशनल, निर्माणाधीन कॉन्ट्रैक्टेड और अवार्ड किए गए प्रोजेक्ट्स शामिल हैं। (स्रोतः CRISIL रिपोर्ट)। कंपनी अपनी इन-हाउस ईपीसी (इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट और कंस्ट्रक्शन) टीम और ओ एंड एम (ऑपरेशन और मेंटेनेंस) टीम के जरिए यूटिलिटी-स्केल नवीकरणीय ऊर्जा प्रोजेक्ट्स को डेवलप, बिल्ड, ऑपरेट और मेंटेन करती है।

प्रोजेक्ट्स

विभिन्न ऑफ-टेकर्स, जिनमें केंद्र और राज्य सरकार समर्थित संस्थाएं शामिल हैं, को बिजली बेचकर रेवेन्यू कमाती है। जूनिपर ग्रीन एनर्जी लिमिटेड ने बाज़ार नियामक सेबी के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल कर दिया है। कंपनी इस इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) के जरिये 30,000 मिलियन (3000 करोड़) तक के इक्विटी शेयर जारी करके फंड जुटाने की योजना बना रही है। यह ऑफर पूरी तरह से नए इक्विटी शेयरों का फ्रेश इश्यू होगा।

कंपनी इस आईपीओ से मिलने वाले नेट प्रोसीड्स का इस्तेमाल कंपनी द्वारा लिए गए कुछ कर्ज़ों का पूरा या आंशिक रूप से चुकाने के लिए करेगी। यह अनुमानित राशि 10,922.71 मिलियन (1092.27 करोड़) है। इसके अलावा अपनी मटेरियल सब्सिडियरीज़ जैसे कि जुनिपर ग्रीन गामा वन प्राइवेट लिमिटेड, जुनिपर ग्रीन थ्री प्राइवेट लिमिटेड, जुनिपर ग्रीन फील्ड प्राइवेट लिमिटेड, जुनिपर ग्रीन बीम प्राइवेट लिमिटेड, और उनकी सब्सिडियरी जैसे जुनिपर ग्रीन काइट प्राइवेट लिमिटेड

और जुनिपर ग्रीन रे टू प्राइवेट लिमिटेड में निवेश करेगी ताकि उनके कुछ बकाया कर्ज़ों का पूरा या आंशिक रूप से भुगतान किया जा सके। इसकी अनुमानित राशि 11,577.29 मिलियन (1157.72 करोड़) है। बाकी बची हुई राशि का इस्तेमाल जनरल कॉर्पोरेट उद्देश्यों (General Corporate Purposes) के लिए किया जाएगा।

कंपनी ने मार्च 2020 में अपना पहला 100 मेगावॉट (MW) (144.97 मेगावॉट पीक (MWp)) का सोलर प्रोजेक्ट चालू किया था। 31 मई, 2025 तक, कंपनी ने अपने प्रोजेक्ट्स का पोर्टफोलियो 7,898.45 MW (10,069.58 MWp) की कुल क्षमता तक बढ़ा दिया है। सोलर प्रोजेक्ट्स के अलावा, जूनिपर ग्रीन के पोर्टफोलियो में विंड एनर्जी प्रोजेक्ट्स और WSH (Wind-Solar Hybrid) और FDRE (Firm and Dispatchable Renewable Energy) जैसे कॉम्प्लेक्स रिन्यूएबल एनर्जी प्रोजेक्ट्स भी शामिल हैं, जिनमें BESS (Battery Energy Storage System) पर खास फोकस है। 1 अप्रैल, 2021 से 31 दिसंबर, 2024 के बीच हुए WSH और FDRE टेंडरों में जीती गई कुल क्षमता के मामले में कंपनी दूसरी सबसे बड़ी बोली लगाने वाली कंपनी है, और इसी अवधि के दौरान जीते गए WSH और FDRE टेंडरों में उनकी 100% कन्वर्जन रेट रही है (स्रोतः CRISIL रिपोर्ट)।

रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस के माध्यम से ऑफर किए जाने वाले इक्विटी शेयर बीएसई लिमिटेड (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनएसई) पर लिस्ट होने का प्रस्ताव है।

मणिपाल हॉस्पिटल सॉल्टलेक में पहली बार सफलतापूर्वक

'ऑर्बिटल एथरेक्टॉमी' की गई, गंभीर हृदय रोगी की जान बचाई गई

संवाददाता ● कोलकाता

हृदय रोग उपचार में एक बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए, मणिपाल हॉस्पिटल सॉल्टलेक — जो कि भारत के प्रमुख हेल्थकेयर नेटवर्क मणिपाल हॉस्पिटल्स का हिस्सा है — ने पहली बार 'ऑर्बिटल एथरेक्टॉमी' नामक एक अत्याधुनिक प्रक्रिया को सफलतापूर्वक अंजाम दिया। यह तकनीक हृदय की धमनियों (आर्टरीज़) में जमा सख्त कैल्शियम ब्लॉकेज को हटाने के लिए की जाती है। यह जीवनरक्षक प्रक्रिया डॉ. (प्रो.) पार्थ सारथी बनर्जी, सीनियर कंसल्टेंट – कार्डियोलॉजी, और डॉ. अरिंदम पांडे, सीनियर कंसल्टेंट, इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट, मणिपाल हॉस्पिटल सॉल्टलेक की देखरेख में 65 वर्षीय एक पुरुष मरीज (नाम बदला हुआ), जो अनियंत्रित डायबिटीज और हाई ब्लड प्रेशर से पीड़ित थे, पर की गई। मरीज को पहले दिसंबर 2024 में एंजियोप्लास्टी की गई थी, लेकिन कुछ महीनों बाद ही सामान्य गतिविधियों के दौरान उन्हें फिर से सीने में दर्द होने लगा।

मरीज को भर्ती कर लिया गया और डॉ. बनर्जी और डॉ. पांडे द्वारा किए गए कोरोनरी एंजियोग्राफी में तीन नई ब्लॉकेज पाई गईं। पहली, बाईं एंटीरियर डिजेंडिंग आर्टरी (LAD) में, जो दिल के सामने के हिस्से को रक्त पहुंचाती है। दूसरी, बाईं सर्कमफ्लेक्स आर्टरी (LCX) में, जो दिल के बाईं ओर और पीछे के हिस्से में खून पहुंचाती है। तीसरी, दाहिनी कोरोनरी आर्टरी (RCA) में, जो दिल के दाहिने और निचले हिस्से को ऑक्सीजन देती है।

जांच में RCA में बेहद सख्त और कैल्शियम जमी हुई ब्लॉकेज मिली, जो साधारण एंजियोप्लास्टी उपकरणों से खोली नहीं जा सकती थी। डॉक्टर्स ने बायपास सर्जरी की सलाह दी, लेकिन मरीज ने इसकी इनवेसिव प्रकृति के कारण मना कर दिया। इसके बाद मरीज की दो दिन की एंजियोप्लास्टी प्रक्रिया की योजना बनाई गई। पहले दिन LAD और LCX में ब्लॉकेज सफलतापूर्वक खोली गई। दूसरे दिन RCA की सख्त ब्लॉकेज को हटाने के लिए 'ऑर्बिटल एथरेक्टॉमी' नामक विशेष तकनीक का उपयोग किया गया। इस प्रक्रिया में हीरे की नोक वाला एक घूमने वाला उपकरण उपयोग किया जाता है, जो ब्लॉकेज के अंदर मौजूद कैल्शियम को तोड़ देता है। ब्लॉकेज साफ करने के बाद वहां तीन स्टेंट लगाए गए और रक्त प्रवाह को 100% बहाल कर दिया गया। मरीज की हालत स्थिर रही और ICU में वह तेजी से स्वस्थ हो गए। इस बारे में जानकारी देते हुए डॉ. (प्रो.) पार्थ सारथी बनर्जी ने कहा, "इस मरीज के मामले में ऑर्बिटल एथरेक्टॉमी का उपयोग सिर्फ एक क्लिनिकल जरूरत नहीं थी, बल्कि यह एक रणनीतिक निर्णय भी था ताकि हम मरीज के दीर्घकालिक स्वास्थ्य लाभ को सुनिश्चित कर सकें। आज के समय में, जब मेडिकल तकनीक तेजी से बदल रही है, ऐसे उन्नत विकल्पों को अपनाना बहुत जरूरी है, खासकर जटिल और उच्च जोखिम वाले मामलों में।"

अनुशासित जीवनशैली से मरीजों को प्रेरित कर रहे हैं डॉ. चित्तावर

स्वास्थ्य की जो शिक्षा देते हैं, उसे स्वयं भी अपनाएं : डॉ. सचिन चित्तावार

संवाददाता ● भोपाल

डॉक्टर केवल दवाइयाँ ही नहीं देते, उनका आचरण और जीवनशैली भी समाज के लिए एक उदाहरण होती है यह बात भोपाल के वरिष्ठ एंडोक्रिनोलॉजिस्ट डॉ. सचिन चित्तावार ने, डॉक्टर डे की पूर्व संध्या पर आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में कही। डॉ. चित्तावार का कहना है कि एक चिकित्सक को अपने परामर्श को केवल पेशेवर दायरे में सीमित नहीं रखना चाहिए, बल्कि उसे स्वयं के जीवन में भी उतारना चाहिए।

उन्होंने कहा "मैं जो परामर्श देता हूँ, उसे पहले खुद पर लागू करता हूँ यही मेरी नैतिक ज़िम्मेदारी है।" डॉ. चित्तावार के अनुसार, अगर कोई डॉक्टर खुद अस्वस्थ जीवनशैली का पालन करता है और मरीजों को स्वास्थ्य सुधार की सलाह देता है, तो उसका प्रभाव सीमित हो जाता है। उन्होंने कहा "हमारा जीवन ही हमारी सबसे बड़ी साख होती है।" डॉ. चित्तावार न केवल थायरॉइड, डायबिटीज़ और मोटापे जैसी बीमारियों के विशेषज्ञ हैं, बल्कि एक अनुशासित और सक्रिय जीवनशैली के जीवंत

उदाहरण भी हैं। उनकी दिनचर्या इतनी व्यवस्थित और स्वास्थ्यपरक है कि वह स्वयं अपने मरीजों के लिए एक प्रेरणा बन गए हैं।

अनुशासित दिनचर्या, जो स्वयं में एक चिकित्सा मंत्र है : डॉ. चित्तावार हर सुबह चार बजे उठते हैं। दिन की शुरुआत योग और ध्यान से करते हैं। इसके बाद लगभग 30 किलोमीटर साइकिल चलाते हैं। वे मानते हैं कि नियमित रूप से एक्सरसाइज़ करने से न केवल उनकी मांसपेशियाँ मज़बूत रहती हैं, बल्कि मेटाबॉलिज्म और हार्मोनल बैलेंस भी नियंत्रित रहता है। रात्रि समय वे डिजिटल डिटॉक्स का पालन करते हैं यानी मोबाइल और स्क्रीन से दूर रहते हैं, ताकि नींद की गुणवत्ता बेहतर हो सके और अगला दिन ऊर्जा से भरपूर हो।

"मरीजों से जो कहते हैं, उसे पहले खुद पर आजमाएं" डॉक्टरों से विनम्र अपील : संवाददाता सम्मेलन के दौरान उन्होंने देश के तमाम डॉक्टरों से अपील की कि वे भी अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता दें। "जब हम मरीजों को खानपान सुधारने, व्यायाम करने और तनाव मुक्त रहने की सलाह देते हैं, तो हमें स्वयं भी उसका पालन करना चाहिए। यदि हम खुद अस्वस्थ रहेंगे, तो हमारा संदेश कमजोर हो जाएगा। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि डॉक्टरों को केवल क्लीनिक या अस्पतालों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि समाज में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए जैसे स्कूलों, कॉलेजों और पंचायत स्तर पर स्वास्थ्य जागरूकता फैलाना।

वैज्ञानिक और सामाजिक दृष्टिकोण से लाइफस्टाइल बीमारियाँ सबसे बड़ी चुनौती

भारत में जीवनशैली से जुड़ी बीमारियाँ विशेषकर डायबिटीज़, मोटापा और थायरॉइड विकार सबसे बड़ी स्वास्थ्य चुनौतियों के रूप में उभर रही हैं। डॉ. चित्तावार ने बताया कि डायबिटीज़ को वे 'भारत की मूक महामारी' कहते हैं। देश में हर 10 में से 1 व्यक्ति टाइप-2 डायबिटीज़ से ग्रसित है। इसके लिए नियमित HbA1c टेस्ट कराना ज़रूरी है। मोटापा बच्चों और किशोरों में तेजी से बढ़ रहा है, जो आगे जाकर हृदय रोग, हाइपरटेंशन और मानसिक तनाव जैसी गंभीर बीमारियों को जन्म दे सकता है। थायरॉइड विकार, विशेष रूप से महिलाओं में, एक उपेक्षित रोग है। इसके लक्षण जैसे थकान, वजन बढ़ना, बाल झड़ना और मूड स्विंग को अक्सर सामान्य समझकर नजरअंदाज़ कर दिया जाता है, जबकि एक साधारण TSH टेस्ट से समय पर इसकी पहचान और इलाज संभव है। डॉ. चित्तावार ने जोर देकर कहा, "इन बीमारियों को रोकना इलाज से आसान और सस्ता है। हमारी कोशिश रोग की रोकथाम पर होनी चाहिए, न कि केवल इलाज पर।"

डिजिटल माध्यमों से स्वास्थ्य संदेश को जन-जन तक पहुंचाने की पहल

वर्तमान डिजिटल युग में जहाँ ग़लत जानकारी तेजी से फैलती है, वहीं डॉ. चित्तावार सोशल मीडिया का उपयोग सही स्वास्थ्य जानकारी फैलाने के लिए कर रहे हैं। उन्होंने यूट्यूब चैनल व फेसबुक पर स्वास्थ्य शिक्षा से जुड़ी वीडियो सीरीज शुरू की है। साथ ही वे इंस्टाग्राम पर 'My Health Routine' साझा करते हैं और समय-समय पर फेसबुक लाइव के माध्यम से जागरूकता अभियान भी चलाते हैं।

महापौर पुष्यमित्र भार्गव और आयुक्त शिवम वर्मा ने किया शुभारंभ, नागरिकों से की सक्रिय सहभागिता की अपील

सुदामा नगर से 'डिजिटल प्लेट प्रोजेक्ट' की शुरुआत

संवाददाता ● इंदौर

देश का सबसे स्वच्छ शहर इंदौर अब डिजिटल सिटी की दिशा में भी अग्रणी भूमिका निभा रहा है। इसी क्रम में आज वार्ड 82 स्थित सुदामा नगर से 'डिजिटल प्लेट प्रोजेक्ट' की ऐतिहासिक शुरुआत की गई। इस नवाचार का शुभारंभ महापौर पुष्यमित्र भार्गव एवं नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा द्वारा किया गया। इस अवसर पर अश्विनी शुक्ल, के सचेतक कमल वाघेला,, अपर आयुक्त अभिलाष मिश्रा, नगर निगम अधिकारी और बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित रहे।

हर घर को मिलेगा यूनिक डिजिटल पता – इस प्रोजेक्ट के तहत प्रत्येक घर के बाहर एक डिजिटल प्लेट लगाई जाएगी, जिसमें GPS आधारित यूनिक डिजिटल पता (Digital Address Code - DAC), स्वच्छता रेटिंग, नागरिक सेवाओं से संबंधित जानकारी और QR कोड शामिल होगा। इस कोड को स्कैन कर संपत्ति से जुड़ी सभी जानकारियां मोबाइल पर प्राप्त की जा सकेंगी। नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा ने बताया यह एक ऐतिहासिक पहल है जो नगर सेवाओं को पारदर्शी, सुलभ और तकनीक-सक्षम बनाएगी। नागरिकों की सहभागिता इस योजना की सफलता की कुंजी है।

विकास

सुदामा नगर मेरे लिए काशी के समान : महापौर

अपने संबोधन में महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा, सुदामा नगर डिजिटल इंदौर का पहला मॉडल बन रहा है। जिस तरह भगवान श्रीकृष्ण ने सुदामा को दो पोटलियां दी थीं, वैसे ही यहां भी डिजिटल प्लेट, सड़कें और अब ड्रेनेज कार्यों की सौगात दी जा रही है। मेरे लिए यह क्षेत्र काशी के समान पवित्र है।" महापौर ने यह भी बताया कि आने वाले समय में नर्मदा माता, स्वामी विवेकानंद और अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमाओं की स्थापना का संकल्प भी वर्ष के अंत तक पूरा किया जाएगा।

डिजिटल पता इंदौर: एक स्मार्ट पहल

"डिजिटल पता इंदौर" प्रोजेक्ट, इंदौर नगर निगम द्वारा नागरिक सेवाओं को तकनीक से जोड़ने और स्मार्ट गवर्नेंस को सशक्त बनाने के उद्देश्य से शुरु किया गया है।

क्यों जरुरी है यह पहल : इंदौर जैसे तेजी से बढ़ते शहर में पते की अस्पष्टता कई बार सेवाओं की बाधा बनती है। "वन होम - वन डिजीटल आईडी " की सोच से इंदौर देश का पहला शहर बन रहा है जो नागरिक सुविधा, पारदर्शिता और टेक्नोलॉजी को मिलाकर एक डिजिटल गवर्नेंस मॉडल प्रस्तुत कर रहा है।

नागरिकों को मिलेंगे ये लाभ

- सभी सेवाएं एक स्कैन पर
- टैक्स, शिकायतें, सफाई मॉनिटरिंग में पारदर्शिता
- ई-कॉमर्स, डाक, सरकारी योजनाओं में सटीक डिलीवरी
- संपत्ति स्वामित्व में प्रमाणिकता
- आपदा या मेडिकल इमरजेंसी में लोकेशन ट्रेसिंग आसान

इंदौर का भविष्य: क्लीन, ग्रीन, सोलर और अब डिजिटल : महापौर भार्गव ने कहा,"हमने इंदौर को स्वच्छ, हरित और सोलर युक्त शहर बनाने की दिशा में कई कार्य किए हैं। अब डिजिटल प्लेट के साथ हम डिजिटल इंदौर की नींव भी रख रहे हैं। यह प्रयास इंदौर को वैश्विक स्मार्ट शहरों की सूची में स्थापित करने में मदद करेगा।

शॉट न्यूज

तीन तस्कर गिरफ्तार, चार किलो गांजा बरामद

इंदौर। राजेंद्र नगर और विजय नगर पुलिस ने तीन तस्करों को पकड़ा और उनके पास से 4 किलो से अधिक गांजा बरामद किया है। राजेंद्र नगर थाने के उप निरीक्षक राजेश कुमार ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी कि रेती मंडी स्थित होटल के पीछे दो व्यक्ति खड़े हैं जिनके पास संदिग्ध वस्तु है। इस पर पुलिस ने घेराबंदी कर नितिन पिता सदा शिव 28 साल और आकाश पिता कमल पांचाल 30 साल दोनों निवासी भीम कॉलोनी को गिरफ्तार कर उनके पास से 2 किलो 730 ग्राम गांजा बरामद किया है। विजयनगर थाने के सहायक उप निरीक्षक किशोर खेड़कर ने बताया कि अंबिका नगर रोड पर चेकिंग के दौरान अनिल पिता पूनम चरण यादव तीसरा निवासी गणेश नगर को पकड़ा और इसके पास से सवा किलो गांजा बरामद किया है। आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया है।

मुझसे शादी कर नहीं तो तेरा नाम लेकर जहर खा लूंगा

इंदौर। रावजी बाजार इलाके में एक महिला के घर में घूंसे मनचले ने महिला से छेड़छाड़ करते हुए उसे धमकी दी कि उससे शादी नहीं करने पर वह जहर खा लेगा। महिला के शोर मचाने पर मनचला भाग निकला। पुलिस के मुताबिक जबरन कालोनी में रहने वाली 35 वर्षीय पीड़िता की शिकायत पर आरोपी लखन पिता राजकुमार मौर्य के खिलाफ छेड़छाड़ की धाराओं में केस दर्ज किया गया हैं। पुलिस के अनुसार पीड़िता अपने घर पर खाना बना रही थी तभी आरोपी लखन मौर्य उसके घर आया और पीड़िता का मोबाइल लेकर बुरी नियत से हाथ पकड लिया, कहने लगा कि मेरे से शादी कर नही तो तेरा नाम लेकर जहर खाकर तुझे व तेरे भाइयों को फंसवा दूंगा। पीड़िता के चिल्लाने पर लखन वहा से भाग गया। आरोपी की तलाश की जा रही है।

निगमायुक्त ने रविवार को छुट्टी के दिन भी ली ड्रैनेज सफाई की बैठक, रेस्टोरेशन और जल भराव को लेकर दिए निर्देश

जहां कार्य चल रहे हैं वहां बेरिकेटिंग-सुरक्षा के अवश्य करें उपाय : वर्मा

संवाददाता ● इंदौर

निर्देश

निगमायुक्त शिवम वर्मा ने सिटी बस ऑफिस में समस्त जोनल कार्यालय के इंजीनियरों के साथ ड्रेनेज लाइन सफाई और जल भराव-रेस्टोरेशन के कार्य को लेकर सिटी बस ऑफिस में समीक्षा बैठक की गई। निगमायुक्त वर्मा द्वारा सभी झोनल कार्यालय की झोनवाइज सफाई ड्रेनेज सफाई, जल भराव और रेस्टोरेशन के कार्यों की जानकारी ली। साथ ही आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। निगमायुक्त वर्मा समीक्षा बैठक के दौरान स्पष्ट निर्देश दिए कि आपके जोन क्षेत्र की ड्रैनेज लाइन चौक नहीं हो, ड्रैनेज चेंबर साफ रहे, स्ट्रॉम वाटर लाइन साफ रहे कहीं पर भी वर्षा जल पानी भरने की, जल भराव की शिकायत आने पर स्वयं मौके पर जाकर शिकायत का निराकरण करें और जल्दी से जल्द जल भराव को, जल जमाव की स्थिति खत्म करें। स्वयं रोज झोन क्षेत्र में घूमे, जहां पर भी कार्य चल रहे हैं वहां पर पर्याप्त बेरिकेटिंग करें जो भी कर्मचारी कार्य करें उसे रेनकोट और जैकेट जरूर पहनाये, सुरक्षा के पूरे उपाय करें। इसी प्रकार शहर में कोई अन्य एजेंसी द्वारा भी कार्य किया जाता है तो उससे भी पर्याप्त रूप से बेरिकेटिंग अवश्य करावे अन्यथा कार्य रुकवा दें सुरक्षा के पूरे उपाय करने के बाद ही कार्य शुरु करे,किसी प्रकार की कोई दुर्घटना ना हो इसका पूर्ण ध्यान रखें।

पातालपानी-कलाकुंड हेरिटेज ट्रेन जल्द करें शुरू

इंदौर। मध्यप्रदेश में मानसून समय पर आ गया। जून का महीना खत्म हो गया पर पश्चिम रेलवे के अधिकारियों द्वारा मध्यप्रदेश की एकमात्र पातालपानी-कालाकुंड हेरिटेज ट्रेन को आज तक शुरू नहीं की गई। भाजपा नेता शैलेन्द्र महाजन ने बताया कि पूरे मध्यप्रदेश में इस बार समय पर मानसून आ गया, जिसके कारण नदी और झरने बहने लगे है। पूरा जून माह ख़त्म हो गया पर पश्चिम रेलवे की अधिकारियों द्वारा आज दिन तक मध्यप्रदेश की पहली हेरिटेज को चलाने के लिए कोई पहल नहीं की गई। महाजन ने कहा की उक्त रेलवे लाइन लगभग 1870 में डाली गई है,मानसून में प्रदेश ही नहीं देशभर से पर्यटक मनोरम प्राकृतिक दृश्य नदी, झरने, हरियाली, पहाड़,पातालपानी वाटर फ़ॉल,वैली ब्रिज, टनल के रोमांच का लुत्फ़ उठाने के साथ ही कालाकुंड पहुंचकर गरमागरम कलाकंद की मिठास का आनंद लेते हैं। हेरिटेज ट्रेन को पिछली बार पातालपानी से कालाकुंड तक लगभग 10 किलोमीटर तक चलाया गया था। इसके लिए पर्यटकों को इंदौर से लगभग 35 किलोमीटर का लंबा सफ़र तय कर ट्रेन में सवार होना पड़ा था। महाजन ने कहा कि पश्चिम रेलवे मध्यप्रदेश की एकमात्र हेरिटेज ट्रेन को पातालपानी की बजाए इंदौर से शीघ्र शुरू करे।जिससे देशभर से इन्दौर आने वाले पर्यटक को भी इस हेरिटेज ट्रेन में बैठकर प्राकृतिक दृश्यों का आनंद ले सके।

शासन ने बदले हायर एजुकेशन में एडमिशन के नियम

बीकाम करने वाले भी ले सकेंगे एमए, एमएसडब्ल्यू में प्रवेश

संवाददाता ● इंदौर

पारंपरिक कोर्स में प्रवेश लेने वाले छात्रों के लिए एक अच्छी खबर है। उच्च शिक्षा विभाग ने आखिरकार छात्रों की मांग को समझते हुए एमए, एमएसडब्ल्यू और डिप्लोमा कोर्स में प्रवेश के नियमों में बदलाव कर दिया है। अब बीए के साथ बीकॉम और बीएससी करने वाले छात्र भी एमए जैसे लोकप्रिय कोर्स में प्रवेश ले सकेंगे। यह निर्णय बड़ी राहत लेकर आया है, लेकिन देरी के कारण हजारों छात्रों को एडमिशन प्रक्रिया के पहले दो राउंड में शामिल होने का मौका नहीं मिल सका। छात्र मांग कर रहे हैं कि सीएलसी राउंड को कम से कम 15 दिन बढ़ाया जाए, ताकि वे प्रवेश ले सकें। जानकारी अनुसार शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए उच्च शिक्षा विभाग ने नया नियम लागू किया था, जिसके तहत सिर्फ बीए पास छात्र ही एमए में प्रवेश ले सकते थे और वह भी उन्हीं विषयों में जिनमें उन्होंने यूजी में मेजर विषय लिया हो। इससे बीकॉम और बीएससी करने वाले छात्रों के लिए एमए, एमएसडब्ल्यू और डिप्लोमा कोर्सेस के रास्ते बंद हो गए थे। इंदौर सहित पूरे प्रदेश में हर साल 30 फीसदी विद्यार्थी बीकॉम और बीएससी से एमए में प्रवेश लेते रहे हैं, खासकर प्रतियोगी परीक्षाओं, स्कूल टीचिंग और सामाजिक क्षेत्र की नौकरियों की तैयारी के उद्देश्य से नियम ने कोर्सेस के संचालन पर भी संकट खड़ा कर दिया था।

एमएसडब्ल्यू की मांग, लेकिन बीएसडब्ल्यू उतनी नहीं

एमएसडब्ल्यू ऐसा कोर्स है, जिसकी मांग समाजसेवा, हेल्थ सेक्टर, एनजीओ और काउंसलिंग जैसे क्षेत्रों में बनी रहती है। पिछले नियम के तहत इसमें केवल है बीएसडब्ल्यू पास छात्रों को ही प्रवेश देने की शर्त थी, जबकि प्रदेश के अधिकांश कॉलेजों में बीएसडब्ल्यू पाठ्यक्रम संचालित ही नहीं होता। इसीलिए बीए, बीकॉम, बीएससी पास छात्र जो सामाजिक क्षेत्र में कॅरियर बनाना चाहते थे, वो प्रवेश से वंचित हो रहे थे।

डिप्लोमा कोर्सेस की राह भी आसान

इंटीरियर और फैशन डिजाइनिंग जैसे डिप्लोमा कोर्सेस में पहले यूजी में संबंधित विषय अनिवार्य थे। बीए, बीकॉम और बीएससी में ऐसे विषय न होने से हजारों छात्र अयोग्य माने जा रहे थे। अब डिप्लोमा कोर्सेस में प्रवेश के लिए विषयगत पाबंदी हटाई गई है, जिससे युवाओं को रचनात्मक और रोजगारोन्मुख क्षेत्रों में अवसर मिलेंगे। शिक्षाविद डॉ. मंगल मिश्र का कहना है कि प्रदेशभर में एमए की करीब 50 हजार सीटें हैं, जिनमें से पांच हजार सीटें केवल इंदौर में हैं। नियमों में बदलाव से अब इन सीटों को भरने की संभावना बढ़ी है।

सीएम के नेतृत्व में सिंहस्थ के मद्देनजर बन रही

इंदौर-उज्जैन 6 लेन रोड नींव का पत्थर होगी साबित : सिलावट

संवाददाता ● इंदौर

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा सिंहस्थ महापर्व 2028 को ध्यान में रखते हुए इंदौर के लवकुश चौराहा से उज्जैन तक 47 किलोमीटर की 6 लेन सड़क निर्माण कार्य हेतु 625 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई। इस सड़क का निर्माण कार्य प्रारंभ हो गया है। आज इस निर्माणाधीन 6 लेन सड़क का जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ धरमपुरी सांवेर से उज्जैन पंथपिपलई तक अवलोकन किया। मंत्री तुलसीराम सिलावट ने बताया कि सिंहस्थ महापर्व 2028 को

ध्यान में रखते हुए इंदौर से उज्जैन तक 47 किमी की 6 लेन सड़क 625 करोड़ रूपये की लागत से तैयार की जा रही है। सिलावट ने सड़क निर्माण एजेंसी रवि इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रायवेट लिमिटेड को निर्देश दिये कि इन्दौर से उज्जैन आवागमन करने वाले नागरिकों को यातायात में किसी भी प्रकार की परेशानी न हो। यह ध्यान रखें कि सड़क में अनावश्यक जाम न लगे। सडक निर्माण कार्य की गति बढ़ाएं और इसे दिसंबर 2026 तक पूर्ण करें। सिंहस्थ 2028 में लगभग 25 करोड से भी अधिक श्रद्धालुओं का आवागमन होगा। यह सड़क श्रद्धालुओं के लिए नींव का पत्थर साबित होगी। यह ऐतिहासिक सड़क बनने से इन्दौर, उज्जैन-देवास, रतलाम, खण्डवा, धार सहित गुजरात राज्य के सैकड़ों नागरिकों को लाभ मिलेगा। इस अवसर पर नगर परिषद अध्यक्ष संदीप चंगेडिया, पूर्व अध्यक्ष दिलीप चौधरी, सरपंच सुरेशसिंह, सुभाष जैन, शक्तिसिंह गांधी, महाप्रबंधक गगन, सहायक महाप्रबंधक प्रतीक शर्मा, सांवेर थाना प्रभारी जीएस माहोबिया एवं कंपनी के प्रोजेक्ट मैनेजर सहित इंजीनियर आदि उपस्थित थे।

नशा विरोधी रथ ने किया नगर प्रवेश

नशा और उसके दुष्प्रभावों से दूर रहने की दिलाई शपथ

संवाददाता ● इंदौर

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो भारत सरकार एवं मेडिकल विंग राजयोग फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में नशा मुक्ति भारत अभियान का जनमानस को नशा मुक्त होने का संदेश देते हुए ज्ञान युक्त सुसज्जित रथ का प्रवेश इंदौर में हुआ। सर्वप्रथम अन्नपूर्णा नगर में इसका स्वागत जल प्रभारी एमआईसी, नगर पालिका के द्वारा किया गया आपने शुभकामना देते हुए कहा वर्तमान समय इस संदेश की बहुत आवश्यकता है कि नशे से दूर रहने में मनुष्य का स्वास्थ्य ठीक रहता है और स्वस्थ मनुष्य ही समाज देश एवं इसका निर्माण कर सकता है। आपने ब्रह्माकुमारी संस्थान के कार्य का साधुवाद किया और सभी उपस्थितजनों से इसमें सहयोग देने का संकल्प कराया एवं खुद भी संकल्प किया। अन्नपूर्णा नगर में संदेश देने के पश्चात यह रथ राजेंद्र नगर पहुंचा राजेंद्र नगर में इसका स्वागत किया आपने अपनी शुभकामनाएं संदेश में संस्थाके कार्य की भूरि-भूरि प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि केवल ईश्वर ज्ञान का नशा एवं आध्यात्मिकता हमें इन दुरव्सनों से दूर कर सकता है आपने भी अपनी शुभकामनाएं इस कार्य को करने वाले सेवाधारकों को दी। राजेंद्र नगर सेवा केंद्र प्रभारी ब्रह्माकुमारी अन्नपूर्णा दीदी ने सभी उपस्थित भाई बहनों को प्रतिज्ञा कराई कि आप सभी पावन कार्य भारत को नशा मुक्त बनाने में अपना पूर्ण सहयोग देंगे और अपना समय भी देंगे।

नई सड़क बनाने को लेकर रहवासियों को फ्लैट दिए जाने के सिलसिले में चर्चा की गई थी

नदी किनारे आफत की बस्तियां, बारिश में डूबते घर, खतरे में जान

संवाददाता ● इंदौर

इंदौर में बारिश के दौरान कई बस्तियों में जलभराव हो जाता है। तेज बारिश की स्थिति में न सिर्फ लोगों के घरों में पानी भर जाता है बल्कि कई बार जान जाने का खतरा भी बना रहता है। कान्ह नदी और बड़े नालों के किनारे बनी कई बस्तियां लगातार बढ़ती जा रही हैं। इंदौर में कई क्षेत्र कान्ह नदी और बड़े नालों के आसपास बसे हुए हैं। यहां पर लगातार बस्तियां बढ़ रही हैं और निगम सिर्फ मौन बना हुआ है। इनमें हरसिद्धि से लेकर गणगौर घाट का क्षेत्र शामिल है। इसके अलावा छावनी के पीछे बनी बस्तियां और गाडराखेड़ी में नाले के आसपास बनी बस्तियां भी डूब में आ जाती हैं।

खतरा

बार बार समझाइश दे रहा निगम– हर बार बारिश में कान्ह नदी के किनारे की बस्तियों में जलजमाव के कारण रहवासियों को शिफ्ट कराना पड़ता है। पिछले दिनों हरसिद्धि से गणगौर घाट तक नई सड़क बनाने को लेकर रहवासियों को फ्लैट दिए जाने के सिलसिले में चर्चा की गई थी, मगर कई रहवासी इसके विरोध में थे। अब निगम फिर से टीमों के माध्यम से रहवासियों को समझाइश देगा। तोड़ा क्षेत्र में भी कुछ मकानों को बारिश के चलते शिफ्ट किया जाना है।

सीपी शेखर नगर को हटाया – नगर निगम अधिकारियों के मुताबिक हर बार बारिश में कान्ह नदी में जलस्तर बढ़ने के कारण आसपास के रहवासियों की मुसीबत हो जाती है। ऐसे में निगम की टीमों को भी मोर्चा संभालना पड़ता है और उन लोगों को सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट कराना पड़ता है। सबसे पहले बड़ी बस्ती सीपी शेखर नगर थी, जिसे हटा दिया गया। अब निगम हरसिद्धि से लेकर गणगौर घाट तक नई सड़क बनाने की तैयारी में है और उसी के चलते नदी किनारे के कई मकानों को हटाया जाना है।

लोग फ्लैट में जाने को तैयार नहीं

मकानों को हटाने और लोगों को शिफ्ट करने के लिए पिछले दिनों निगम अफसरों ने झोनलों पर प्रभावित परिवारों की सूची भी चस्पा की थी, ताकि सूची को लेकर बाद में कोई विवाद न हो। वहां रहने वाले कई लोग फ्लैट में जाने को तैयार नहीं थे, जबकि कुछ लोग तैयार हो गए थे। बाद में वे भी शिफ्ट होने को लेकर इनकार कर चुके हैं। अब निगम फिर से उन्हें समझाइश देने का काम शुरु करने जा रहा है, ताकि बस्ती में रहने वालों को वहां से शिफ्ट कराया जा सके और बारिश में उन्हें परेशानी न हो। इसके अलावा कई अन्य क्षेत्रों में भी नदी किनारे रहने वाले परिवारों को अभी से चिह्नित कर शिफ्ट कराने की तैयारी है।

रिश्तों का मुलाकातों की संख्या से कोई सम्बंध नहीं है

इस सप्ताह की शुरूआत में मुम्बई में तेज हवाओं के साथ भारी बारिश हुई, जिसने पूरे शहर को ठप कर दिया। चूंकि मेरा बिस्तर भी भीगने लगा था, इसलिए मुझे बेडरूम की खिड़कियां बंद करने को मजबूर होना पड़ा। जैसे ही मैं खिड़की बंद कर वापस मुड़ा, मैंने कुछ गिरने की आवाज सुनी। मैंने मुड़कर देखा। मेरी आंखें कोई भारी चीज तलाश रही थीं, जैसे पेड़ की टहनी या कुछ और, जो संभवतः मेरी खिड़की से टकराकर फुलवारी में गिर गई होगी। यह मेरी खिड़की के नीचे की वो जगह है, जहां हम कुछ छोटे गमले रखते हैं। लेकिन मैंने नीचे देखा तो पाया कि वहां पंखों का झुंड और पत्तियां बिखरी थीं। मैंने उसे उठाया। वह एक छोटा-सा, हल्का, भूरे रंग का पक्षी था। मैंने चारों ओर देखा तो पाया कि पेड़ की एक बड़ी टहनी टूटकर नीचे पड़ी थी।

शायद उस पक्षी की मां खाने की तलाश में गई होगी और वह तेज हवाओं के खतरे से अनभिज्ञ होगा। शायद प्रकृति ही उस कोमल, नन्हे-से प्राणी को मेरे बिस्तर पर लाना चाह रही हो। इसी कारण से उसने इतनी तेज हवा चलाई कि वह उस नन्हे-से जीवन को मेरे नर्म बिस्तर पर ला सके। ये सब देख मुझे अपराध-बोध होने लगा और मैंने उस पक्षी की देखभाल करने का फैसला किया। उसके दिल की धड़कन तेज थी, जो और तेज होती चली गई और फिर धीरे-धीरे स्थिर हो गई। मुझे नहीं पता था कि उस पक्षी की सहायता कैसे की जाए। मुझे यह भी नहीं पता था कि क्या उसे ज्यादा चोट लगी है।

पक्षी की काली आंखें कई बार झपकीं और फिर धीरे-से बंद हो गईं। लेकिन उस सर्द और नम सुबह में उसका दिल तेजी से धड़क रहा था। मैं चाहता था कि वह पक्षी मुझसे बोले और मुझे बताए कि उसे क्या तकलीफ है। पक्षी के छोटे काले नाखून नुकीले थे और वे मेरी हथेली में चुभने लगे। मैंने मेज पर रसोई का साफ कपड़ा बिछाया और पक्षी को उस पर लेटा दिया। हमारे इलाके के समीप ही संजय गांधी नेशनल पार्क की बाउंड्री वॉल है, इसलिए मैं वहां वन्यजीव संगठनों के लिए काम करने वाले कुछ वॉलंटियर्स को भी जानता हूं। मैंने एक बचाव दल को टेक्स्ट किया कि ह्यएक छोटा पक्षी हमारी खिड़की से टकरा गया है, मुझे क्या करना चाहिए? मेरा फोन घायल पक्षी के समीप ही रखा था। कुछ क्षण बाद ही फोन की आवाज सुनकर उसने अपना सिर उठाया और मेरी ओर देखा जैसे वह मुझसे कुछ कहना चाहता हो। उसके बिना एक शब्द बोले ही मैं समझ गया कि वो कहना चाहता था- मैं उड़ना चाहता हूं और यह सुंदर दुनिया देखना चाहता हूं, क्या तुम मेरी सहायता करोगे? इन शब्दों की कल्पना से ही मेरी आंखें भर आईं। फोन पर आए जवाबी संदेश में कहा गया कि क्या आप पक्षी को एक बॉक्स में रखकर हमारे पास ला सकते हैं? मैंने कहा, मैं नहीं ला सकता। मैं अपने एक दोस्त की सहायता के लिए अस्पताल जा रहा हूं, जहां वो अपने बीमार पिता की देखभाल के लिए अकेले हैं। तुरंत ही जवाब आया कि आप अपना पता भेजिए, हम एक वॉलंटियर भेजने की कोशिश करेंगे। मैंने पता भेजा और अगले 15 मिनट में एक वाहन आकर बॉक्स को ले गया।

कुछ क्षण बाद ही फोन की आवाज सुनकर उसने अपना सिर उठाया और मेरी ओर देखा जैसे वह मुझसे कुछ कहना चाहता हो। उसके बिना एक शब्द बोले ही मैं समझ गया कि वो कहना चाहता था- मैं उड़ना चाहता हूं और यह सुंदर दुनिया देखना चाहता हूं, क्या तुम मेरी सहायता करोगे? इन शब्दों की कल्पना से ही मेरी आंखें भर आईं। फोन पर आए जवाबी संदेश में कहा गया कि क्या आप पक्षी को एक बॉक्स में रखकर हमारे पास ला सकते हैं? मैंने कहा, मैं नहीं ला सकता।

उस दिन से मुझे नियमित तौर पर उस नन्हे पक्षी के बारे में अपडेट मिलते रहे हैं। उन्होंने पक्षी की चहचहाहट को रिकॉर्ड कर मेरे पास भेजा और कहा कि उसकी हालत में सुधार हो रहा है। वह तब से ही मेरी प्रार्थनाओं में शामिल रहा है। मैंने उस रिकॉर्डिंग को अपने म्यूजिक सिस्टम पर तेज आवाज में बजाया, यह सोचकर कि यदि उसकी मां अपने बच्चे को ढूंढ रही होगी तो यह ध्वनि उसे अपने बच्चे की सलामती के बारे में बता देगी। कई सारे पक्षी हमारी खिड़की पर रखा खाना खाने आते हैं। मैं सिर्फ आशा कर सकता हूं कि उनमें से एक उसकी मां भी होगी। अंततः इस शनिवार को वह नन्हा-सा पक्षी जंगल में उड़ गया। और मैं आशा करता हूं कि वह अपनी मां से भी मिल पाएगा, क्योंकि जिस पेड़ पर उसका जन्म हुआ था, वो नेशनल पार्क से तीन किलोमीटर दक्षिण में है। फंडा यह है कि फंडा यह है कि रिश्ते घड़ी की सुइयों की तरह होते हैं। वे केवल चंद पलों के लिए ही मिलते हैं, लेकिन एक-दूसरे से हमेशा जुड़े रहते हैं।

संत वचन

आज, चर्च एंटिओक के प्रसिद्ध सेंट इग्नाटियस का पर्व मनाता है, जो एक महान चर्च फादर और प्रारंभिक चर्च के प्रसिद्ध शहीदों में से एक थे, जिनका साहस, विश्वास और ईश्वर के प्रति समर्पण वास्तव में हम सभी के लिए अनुकरणीय और प्रेरणादायक है। एंटिओक के सेंट इग्नाटियस प्रेरितों के शुरूआती उत्तराधिकारियों में से एक थे और प्रेरितों के महान मिशनरी कार्यों के समय में ईसाई धर्म में परिवर्तित हो गए थे, जो चर्च की स्थापना कर रहे थे और दुनिया भर में कई लोगों को खुशखबरी फैला रहे थे। चर्च के इतिहास और परंपरा के अनुसार एंटिओक के सेंट इग्नाटियस सेंट जॉन द एपोस्टल के शिष्य थे, और इसलिए प्रेरितों के बारे में सीधे जानते थे और उनसे सच्चाई प्राप्त की, फिर आज हमारे सुसमाचार के अंश में, हमने सुसमाचार के संत लूका के सुसमाचार से वर्णन की निरंतरता सुनी, जहाँ प्रभु ने फरीसियों और व्यवस्था के शिक्षकों को उनके कार्यों और ईश्वर और उनके उद्धारकर्ता में उनके विश्वास की कमी के लिए फटकारना और आलोचना करना जारी रखा।

लक्ष्य को पाने में मैनिफेस्टेशन कैसे मदद करता है?

हमने इस पल को साकार करने की ठान ली थी।ह्न सोमवार की रात अपने अंतिम लीग मैच में मुम्बई इंडियंस को हराकर टॉप-2 में शामिल होने वाली पंजाब किंग्स के बल्लेबाज शशांक सिंह ने ये बात कही। उन्होंने कहा, ह्यनीलामी के बाद हमने एक व्हाट्सएप ग्रुप बनाया, जहां हम बातचीत और मैनिफेस्ट करते थे कि हम इस साल खिताब जीतेंगे। पहला लक्ष्य टॉप-2 में पहुंचना था और हमने ये बाधा पार कर ली।ह्न यदि आप उनके शब्द देखें तो टीम ने अंतिम चार में पहुंचने के लिए मैनिफेस्ट नहीं किया। उन्हें खिताब चाहिए था और इसके लिए वे क्वालीफाइंग चार में से शीर्ष दो में आना चाहते थे। अचरज नहीं कि टीम ने 11 साल के इंतजार के बाद प्लेऑफ में जगह बनाई। हालांकि टीम ने पूरे सीजन में, खासतौर पर हाल के मैचों में मजबूत प्रदर्शन किया है, पर श्रेयस अय्यर के नेतृत्व व रिकी पोंटिंग की कोचिंग ने एक दूसरे की मदद और परवाह का एक नया दृष्टिकोण दिया, जिसके सकारात्मक बदलाव दिखे।

एडिट.नोट

शशांक ने कहा, ह्यठान लेना एक बात है, उसमें भरोसा करना दूसरी। हमने इसके लिए कड़ी मेहनत की और इसका श्रेय पंजाब किंग्स से जुड़े हरेक व्यक्ति को जाता है। आईपीएल जैसी लीग में टॉप टू में पहुंचना आसान नहीं है। तो मैनिफेस्टेशन क्या है? सार रूप में कहें तो इसका मतलब अपनी सोच, भावना और कार्य को अपनी इच्छाओं के साथ जोड़ना है, ताकि उन्हें वास्तविकता में तब्दील किया जा सके। और शशांक बिल्कुल यही बात कह रहे हैं। यह एक प्रक्रिया है, जिसमें सकारात्मक मानसिकता, अपने इरादों पर फोकस करना और लक्ष्य पाने के लिए सतत काम करते रहना शामिल है। मेनिफेस्टेशन या अपनी आकांक्षाओं को सच बनाने के उद्देश्य से उनके बारे में सोचना कभी भी बहुत ज्यादा लोकप्रिय नहीं रहा। यह वह कार्य और अभ्यास है, जिसमें आप वांछित चीज को पाने के लिए विचार करते हैं और गहनता से ध्यान केंद्रित करते हैं। अब इसे प्राप्त कैसे करें? मैनिफेस्टेशन के जरिए अपने सपनों को साकार करने के कुछ चुनिंदा सिद्धांत यहां पेश हैं।

मनोभाव स्पष्ट हों: अपनी इच्छाएं यथासंभव रूप से स्पष्ट रखें। जैसे पंजाब किंग्स ने 2025 का क्ढछ जीतने की ठानी। ये कभी नहीं कहा कि वे किसी साल क्ढछ जीतना चाहते हैं। ऐसे ही अपनी इच्छाएं स्पष्ट रूप से यथासंभव परिभाषित करें। सकारात्मक सोचें: हमेशा इच्छित परिणामों पर फोकस करें, खासतौर पर सोने से पहले। कभी आराम नहीं करने वाला आपका अवचेतन मन तब लक्ष्य हासिल करने के आइडिया सोचता रहेगा, तब भी जब आपका शरीर आराम कर रहा होगा। लक्ष्य हासिल करने के लिए यह धीरे-धीरे आपको अपनी क्षमताओं पर भरोसा दिलाने लगता है और सकारात्मक मानसिकता विकसित करता है। विजुअलाइजेशन: अभ्यासकर्ता और गुरु सुझाते हैं कि अपनी इच्छाओं की ऐसी कल्पना करो कि जैसे वह पहले ही साकार हो चुकी हैं। इसमें विजन बोर्ड बनाना या नियमित लिखना शामिल हो सकता है। लेकिन आपको सोने से पहले डायरी जरूर लिखनी चाहिए, ताकि अवचेतन दिमाग इस पर काम कर सके।

कार्यों को अलाइन करें: वांछित परिणाम प्राप्त करने की दिशा में छोटे-छोटे कदम बढ़ाएं। इसमें आदतें बदलना, नई स्किल सीखना या सोचा-समझा जोखिम उठाना हो सकता है। अंततः खुद पर और अपनी टीम पर भरोसा रखें। अपने इरादे की ताकत व खुद की सहायता के लिए ब्रह्मांड की शक्ति पर अटूट भरोसा रखें। ताज्जुब नहीं कि शाहरुख खान ने एक फिल्म में कहा था कि ह्यजब आप कोई चीज को शिद्दत से चाहो तो हालांकि, फिलहाल पंजाब किंग्स के लिए आईपीएल का खिताब दूर है, लेकिन यह टीम कई कारणों से कईयों की चहेती बन गई है। इसमें टीम की को-ऑनर प्रीति जिंटा का भरोसा भी शामिल है, जो हर मैच में अपनी टीम के पीछे चट्टान की तरह खड़ी रहती हैं। फंडा यह है कि मैनिफेस्टेशन काम करता है। विज्ञान में इसे आरएएस- रेटिकुलर एक्टिवेटिंग सिस्टम कहते हैं। मत भूलें, आपके विचारों में आपको विजयी बनाने की जबरदस्त ताकत है।

डेरेक ओ ब्रायन-लेखक

एक उड़ान, जिसने जीवन के प्रति मेरा नजरिया बदल दिया

जीवन में कुछ चीजें ऐसी हैं, जिन्हें हम हल्के में लेते हैं। कभी-कभी इस सूची में स्वयं जीवन भी शामिल होता है, चाहे हमें इसका एहसास हो या न हो। बुधवार, 21 मई को मैं दिल्ली से श्रीनगर जाने वाली इंडिगो की फ्लाइट में सवार होता हूं। यह मेरे सार्वजनिक जीवन का एक और दिन है, एक और उड़ान। मैंने आपातकालीन निकास द्वार पर 19एफ की अपनी चिर-परिचित सीट ली। मैं वो तमाम चीजें कर रहा हूं, जो आमतौर पर फ्लाइट में करता हूं। हवा में 45 मिनट बिताने के बाद एक घोषणा होती है, जिसमें हमें सीटबेल्ट बांधने के लिए कहा जाता है। लेकिन कोई हलचल (टबुर्लेंस) नहीं है। लगभग पांच मिनट बाद हम बिजली चमकते देखते हैं, जो दिन के उजाले को चीरती हुई मालूम होती है। अब हमें थोड़ा टबुर्लेंस महसूस होता है और यह तेजी से बढ़ने लगता है। मुझे एहसास होता है यह कोई सामान्य स्थिति नहीं है।

विमान डरावने ढंग से दाईं ओर झुक रहा है। मैं एयरबस ए321नियो के दाईं ओर बैठा हूं और मैं विमानों के झुकने का आदी हूं, लेकिन यह हर बार की तरह नहीं है। अब पूरा विमान खतरनाक तरीके से एक तरफ झुकना शुरू हो जाता है। हम तेजी से नीचे की ओर गिर रहे हैं। यह कोई एक या दो मिनटों की बात नहीं, यह कम से कम दस मिनटों तक चलता है। बाहर केवल बादल, कड़कती बिजलियां और ओलावृष्टि दिखाई देती हैं। मेरा दिमाग में बहुत सारी चीजें चलने लगती हैं। अब यात्री केबिन से दूसरी आवाजें भी आने लगती हैं। साधारण बातचीत या भोजन परोसने की आवाजें नहीं, बल्कि लोग चिल्ला रहे हैं, प्रार्थना कर रहे हैं। इससे अतिरिक्त तनाव और भय पैदा होता है। कुछ यात्री अपने फोन पर इसे रिकॉर्ड करने लगते हैं कि एक आवाज आती है- वीडियो बनाना बंद करो। ऐसा नहीं है कि इन लम्हों में मेरा पूरा जीवन मेरी आंखों के सामने चलचित्र की तरह चलने लगा है। इसके बजाय, मैं इस विचार से ग्रस्त हूं कि अगर कुछ बुरा हुआ, तो मैं अपनी इकलौती बेटी की कुछ महीनों बाद होने वाली शादी से चूक जाऊंगा! मैं अपनी बेटी, पत्नी, सौतेली बेटियों, भाइयों, सहकर्मियों, दोस्तों के बारे में सोचता हूं। मैं सोचता हूं उन सभी को पीछे छोड़ जाना कितना दुःखद होगा। मुझे उनमें से किसी को भी अलविदा कहने का मौका नहीं मिलेगा। यह उन रिश्तों और मैत्रियों के लिए एक गहरा, स्थायी दुःख है, जिनका इस भयावह दोपहर के बाद कोई अस्तित्व न होगा। मुझे पता है मेरा जीवन सौभाग्यशाली रहा है। शायद इसका 1990 में कोलकाता की एक गली में जाने से कुछ लेना-देना था, जहां ननों की मंडली का विश्वव्यापी मुख्यालय था। सादगी से भरी उस जगह में एक बरामदे में चार स्टूल रखे थे। यहीं पर मदर टेरेसा (वर्तमान में कलकत्ता की सेंट टेरेसा) से मेरी पहली मुलाकात हुई थी और मैंने उनके हाथ को छुआ था। तो, मेरे दिमाग में और क्या चल रहा था? मैंने राजनीति के बारे में नहीं सोचा। मैंने संसद के बारे में नहीं सोचा। मैंने एक्स या इंस्टाग्राम पर अपने फॉलोअर्स की संख्या के बारे में नहीं सोचा। मेरा ध्यान उन लोगों पर था, जिन्हें मैं प्यार करता हूं। जो मेरे लिए दुनिया से बढ़कर हैं। जो मेरे जीवन का अहम हिस्सा रहे हैं। मैंने परम-सत्ता से प्रार्थना की। मैंने उनसे एक अनुबंध किया। एक अच्छा व्यक्ति बनने का अनुबंध!

इसके शायद तीस मिनट बाद हम लैंड हुए। लैंडिंग से पहले केबिन-क्रू के एक सदस्य ने हमसे अपनी खिड़कियों के पर्दे नीचे खींचने को कहा, क्योंकि हम एक सैन्य हवाई क्षेत्र में उतर रहे थे। विमान के रुकने के बाद इंजन बंद कर दिए गए और सभी लोग उतरने लगे। लेकिन मैं बैठा रहा। अकेला ही। क्यों? मुझे नहीं पता। शायद इस सब को अच्छे से प्रोसेस करने के लिए। लेकिन इससे मुझे पायलटों से बात करने का मौका मिला। मैंने सभी यात्रियों और क्रू की ओर से उनका धन्यवाद किया। कप्तान ने मुझे बताया पायलट के रूप में 40 वर्षों की यह सबसे कठिन उड़ान थी। मैं अब घर लौट आया हूं। उस बात को एक सप्ताह हो गया है। मुझे लगा कि मैं अपने तरीके से इससे निपट लूंगा। लेकिन मैं गलत था। फिर, कुछ घंटे पहले मैंने अपने बचपन के दोस्त से बात की। मुझे बीच में कई बार रुकना पड़ा क्योंकि मेरी भावनाएं बार-बार उमड़ रही थीं। लंबी चुप्पी और दबी हुई सिसकियों के बीच उसने इतना ही कहा, ह्यअब सब ठीक है। मैं यहां हूं! उस उड़ान ने मुझे बदल दिया। इसने जीवन के हर पहलू को देखने के मेरे तरीके को भी बदल दिया। अब मैं समझ गया हूं कि जीवन एक उपहार है।

बिजनेस

सोना-चांदी में स्थिरता

इंदौर। अंतरराष्ट्रीय बुलियन बाजार में खास हलचल नहीं है। निवेशकों की सीमित खरीदी के चलते दोनों कीमती धातुओं सोना-चांदी के भावों में ठहराव के हालात बने हैं।। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना 32741 डॉलर प्रति औंस व चांदी 3598 सेंट पर है। वहीं स्थानीय बाजार में सोना 96700 रुपए प्रति दस ग्राम और चांदी 100 रुपए घटकर 104800 रुपए किलो हो गई। जौहरियों का कहना है कि भाव कम हो रहे हैं, लेकिन फिलहाल ग्राहकी का अभाव बना हुआ है।

इंदौर सराफा- सोना केडबरी रवा नकद 96700, आरटीजीएस 98200 रुपए, सोना 22 कैरेट (जीएसटी सहित) 90000 रुपए प्रति दस ग्राम, चांदी नकद 104800, आरटीजीएस 106800 और टंच 105100 रुपए प्रति किलो रही। चांदी का सिक्का 1160 रुपए प्रति नग बिका।

उज्जैन सराफा- सोना केडबरी 96800 और रवा 96700 रुपए प्रति दस ग्राम। चांदी पाट 105300,टंच 105200 रुपए प्रति किलो। सिक्का 1200 रुपए प्रति नग बिका।

मक्का में ठहरकर तेजी

इंदौर। उत्पादक मंडियों में मक्का खूब आने लगी है। भाव नमी के हिसाब से 2200-2300 रुपए चल रहे हैं। वर्तमान भाव में कारोबारी खरीदी रूझान है, लेकिन ऊंचे भाव होने से अभी रुक-रुक कर खरीदी कर रहे है। ऐसे में कुछ दिन यहीं पर ठहराव लग रहा है। उसके बाद तेजी संभव है। इस बार गेहूं पैदावार ज्यादा है, इसमें कोई संदेह नहीं है। इस वजह से सरकार को इस बार उत्साह पूर्वक गेहूं की वसूली हुई है। अब तक सरकारी खरीद 302 लाख मीट्रिक टन को पार कर चुकी है। गेहूं का स्टॉक प्राइवेट सेक्टर में भी बढ़ता जा रहा है, उसे देखते हुए इस बार लंबी तेजी की उम्मीद नहीं है।

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2875-2900, लोकवन 2550-2575, (147) 2900-3000, एवरेज 2600-2700, मालवराज 2350-2575, पूर्णा 2700-2900, चन्द्रोसी 3200-3300, ज्वार देशी 2500-2650, मक्का पीली 2775-2300 रुपए क्विंटल।

खाद्य तेलों में बढ़ने लगी ग्राहकी

इंदौर। खाद्य तेलों में ग्राहकी बढऩे के साथ भाव सुधरने लगे हैं। सोया रिफाइंड में पिछले दिनों के घटे हुए भाव में चौतरफा लेवाली थी और अब बाजार बढ़ गए हैं। अभी ग्राहकी सुधर गई है। कुछ सटोरिया तेल सोया के लेवाली पूरे सप्ताह तक भारी मात्रा में कर चुके हैं तथा उनकी डिलीवरी के लिए बाजार को तोडऩा जरूरी है, लेकिन पीछे से माल नहीं मिलने से बाजार अभी और बढ़ जाएगा। आज इसमें 100 रुपए की तेजी आ गई है तथा आगे 200 रुपए और बढऩे के आसार बन गए हैं। इस बार अरंडी की पैदावार कम है तथा किसी भी प्लांट में पुराने माल का स्टॉक नहीं है। भारत पाकिस्तान तनाव दूर होने के बाद सीमावर्ती खपत वाले उद्योगों की मांग बढ़ेगी। इधर आयुर्वेदिक कंपनियां भी माल खरीद रही है, जबकि बढिय़ा माल नहीं मिल रहा है। आगे 140 रुपए वाला तेल अरंडी 148 रुपए बिक सकता है।

तिलहन- सरसों निमाड़ी (बारीक) 6300-6400 रायडा 5700-5800 सोयाबीन 4300, टोली 4350-4400 रु. प्रति क्विंटल।

सोयाबीन प्लांट-अवी एग्री उज्जैन 4325, बैतूल ऑयल सतना 4515, बैतूल आयल 4525, कोरोनेशन ब्यावरा 4325, धानुका सोया नीमच 4400, धीरेंद्र सोया नीमच 4450, दिव्य ज्योति 4335, हरिओम रिफाइनरी मंदसौर 4350, केएन एग्री इटारसी 4375, आइडिया लक्ष्मी देवास 4300, केपी सॉल्वेक्स निवाड़ी 4400, खंडवा ऑयल 4325, मित्तल सोया देवास 4375, एमएस सॉल्वेक्स नीमच 4400, नीमच प्रोटीन 4425 रुपए।

अचार बनाने वालों की मांग से मसालों में मजबूती

इंदौर। घटे भाव पर हल्दी में खरीदी बढऩे से तेजी का रुख है, वहीं अचार बनाने वालों की मांग से मसालों में भी मजबूती है। सियागंज किराना बाजार में राईं, जीरा, सौंफ, अजवाइन, तिल्ली, मैथीदाना में लोकल ग्राहकी अच्छी चल रही है, जबकि बाहरी मांग कमजोर है। उत्पादन केंद्र ईरोड में हल्दी 300 रुपए तेज होकर 14,200 रुपए प्रति क्विंटल के स्तर पर जा पहुंची। हाल ही में इसमें 200 रुपए की मंदी आई थी। सटोरियों की हल्की-फुल्की लेवाली से वायदा 80 रुपए बढ़कर 14,080 रुपए हो गया। इससे बाजार मजबूत है। जीरे में भी उठाव अच्छा होने से भावों में सुर्खी बनी हुई है। जीरा वायदा 210 रुपए तेज होकर 20,065 रुपए पर पहुंच गया। जायफल की बिक्री सुस्त ही बनी हुई है। भाव में नरमी का रुख है। हाल ही में इसमें 15 रुपए की तेजी आई थी।

शकर- 4110-4120 बेस्ट क्वालिटी 4130-4140, गुड़ कटोरा 4600-4700, लड्डू 5200, गिलास 5000-5200 रुपए क्विंटल।

नारियल- 120 भरती 2900-2950, 160 भरती 3300-3400, 200 भरती 3650-3700,

250 भरती 3800-3900 रुपए प्रति बोरी। खोपरा गोला बाक्स- 275-300 कट्टे में 260 रुपए प्रति किलो । खोपरा बूरा 4100-6150 रुपए प्रति (15 किलो)। पूजन सामग्री- देशी कपूर 700 से 710, पूजा बादाम 115 से 125, बेस्ट 220 से 230, पूजा सुपारी 425 से 450, अरीठा 180 सिंदूर (25 किलो) 7450 रुपये। केसर 165 से 175 बेस्ट 190 से 193 रुपए प्रति ग्राम।

फलाहारी- साबूदाना सच्चामोती एगमार्क (500) 5350, सच्चासाबु एगमार्क (500 ग्राम) 5500 साबूदाना चक्र एगमार्क 5420, गोपाल लूज (25 किलो) 4790, कुकरीजाकी मोरधन (500 ग्राम)- 9400 रुपए।

मसाले- कालीमिर्च 711 से 715, मिनिमटर 770 से 775, मटरदाना 830 से 835 हल्दी निजामाबाद 170 से 210, हल्दी सांगली 260 से 265 जीरा 255 से 275, मीडियम 265 से 275 बेस्ट 285 से 315, सौंफ मोटी 130 से 145, बेस्ट 185 से 285, एक्सट्रा बेस्ट 340 से 450, बारीक 280 से 350, लौंग चालू 780 से 800, बेस्ट 825 से 840, दालचीनी 255 से 265, जायफल 680 से 715, बेस्ट 720 से 725, जावत्री 2000 से 2050, बड़ी इलायची 1550 से 1850, बेस्ट 1950 से 2050, पत्थरफूल 240 से 425, बाद्यान फूल 475 से 575, बेस्ट 625, शाहजीरा खर 450, ग्रीन 925 से 950, तेजपान 90 से 98, नागकेसर 940 से 965, सौंठ 280 से 340, धोली मूसली 2175 से 2200, हींग 751- 3450, पाउच में 10 ग्राम 3550, 121- 50 ग्राम 3250, पाउच में 10 ग्राम 3330, 111-50 ग्राम 3050, पाउच में 10 ग्राम 3130, पावडर 875 से 925, हरी इलायची 2750 से 2875, मीडियम 2925 से 3150, बेस्ट 3250 से 3300, एक्स्ट्रा बेस्ट 3350 रुपए ।

देश का स्वर्ण भंडार बढ़कर 870 टन पहुंचा

केंद्रीय बैंक 12.5 किलो की सोने की ईंट के रूप में रखता है स्वर्ण भंडार

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) सोने के महत्व को समझता है। इसीलिए वह 1991 के आर्थिक संकट के बाद सोने का भंडार कई गुणा बढ़ा चुका है और वर्तमान में यह लगभग 870 टन पहुंच गया है। केंद्रीय बैंक 12.5 किलो वजन की सोने की ईंट के रूप में विभिन्न जगहों पर यह स्वर्ण भंडार रखता है।

आरबीआई पर बने एक वृत्त चित्र में यह जानकारी दी गयी है। आरबीआई ने अपने कामकाज और भूमिकाओं को लोगों के सामने लाने के लिए हाल में जारी वृत्तचित्र के जरिये यह भी बताया है कि हमारा देश दुनिया में करेंसी नोट के सबसे बड़े उत्पादकों में से एक है। जहां अमेरिका में यह लगभग 5,000 करोड़ इकाई, यूरोप में 2,900 करोड़ इकाई है वहीं भारत में यह 13,000 करोड़ इकाई है। यह पहली बार है जब आरबीआई के कार्यों को वृत्तचित्र के रूप में लाया गया है। वृत्त चित्र में दी गयी जानकारी के अनुसार केंद्रीय बैंक 1991 के आर्थिक संकट के बाद सोने का भंडार कई गुणा बढ़ा चुका है और देश में स्वर्ण भंडार के संरक्षक के रूप में लगभग 870 टन सोना काफी सुरक्षित स्थानों पर रखा है। बहुत कम लोगों को ही सोने की तिजोरियों तक पहुंच है। इस सोने को केंद्रीय बैंक 12.5 किलो वजन के स्वर्ण ईंट के रूप में रखा गया है। केंद्रीय बैंक के अधिकारी कहते हैं कि सोना केवल धातु नहीं बल्कि देश की ताकत है। देश बनते रहेंगे, बिगड़ते रहेंगे। अर्थव्यवस्था में उतार-चढ़ाव होता रहेगा लेकिन सोना हमेशा अपना मूल्य बनाये रहेगा।

कॉर्पोरेट समाचार

शुरुआती कारोबार में गिरावट के साथ खुले शेयर बाजार

मुंबई। एशियाई बाजारों में तेजी के बीच भारतीय शेयर बाजार सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को मामूली गिरावट के साथ लगभग सपाट स्तर पर खुले। इंडेक्स में भारी भरकम वजन रखने वाले एचडीएफ़सी बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज और आईसीआईसीआई बैंक जैसे शेयरों में गिरावट की वजह से बाजार में कमजोरी देखी जा रही है। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स करीब 30 अंक गिरकर 84,027.33 पर खुला। इस समय यह 119.59 अंक की गिरावट लेकर 83,939 पर कारोबार कर रहा था। सेक्टरों में निफ्टी पीएसयू बैंक इंडेक्स सबसे अधिक लाभ में रहा। इसमें 0.94 प्रतिशत की तेजी आई। जबकि निफ्टी ऑटो इंडेक्स में सबसे ज्यादा गिरावट देखने को मिली।

किफायती इलेक्ट्रिक स्कूटर लॉन्च करने की तैयारी में एथर एनर्जी

नई दिल्ली। दो पहिया वाहन निर्माता कंपनी एथर एनर्जी एक नया और किफायती इलेक्ट्रिक स्कूटर लॉन्च करने की तैयारी शुरू कर दी है। कंपनी ने अपने फैमिली-केंद्रित स्कूटर 'रिज्टा' की अपार सफलता के बाद यह फैसला लिया है। अगस्त 2025 में पेश होने वाला यह स्कूटर 'ईएल प्लेटफॉर्म' पर आधारित होगा, जो बजट-फ्रेंडली सेगमेंट को टारगेट करेगा। रिज्टा की बिक्री 1 लाख यूनिट पार कर चुकी है और यह एथर का अब तक का सबसे सफल मॉडल बन गया है। इसकी शुरुआती कीमत रुपए 99,999 रखी गई थी, जिससे यह एथर की लाइनअप में सबसे किफायती स्कूटर बना। कंपनी अब ईएल प्लेटफॉर्म के जरिए उन ग्राहकों को साधना चाहती है जो कम कीमत में उपयोगी और भरोसेमंद इलेक्ट्रिक स्कूटर चाहते हैं।

मारुति सुजुकी ने की 24.5 लाख वाहनों की सर्विस

नई दिल्ली। मई 2025 में कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी ने नया रिकॉर्ड कायम किया है। कंपनी ने एक ही महीने में 24.5 लाख से अधिक वाहनों की सर्विस की। आंकड़ों के अनुसार, मई में कंपनी ने हर मिनट औसतन 170 गाड़ियों की सर्विस और डिलीवरी की, यानी लगभग हर सेकंड तीन वाहन। यह न केवल सेवा की गति को दर्शाता है, बल्कि ग्राहकों के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता और तकनीकी दक्षता का भी प्रमाण है। देशभर में मारुति सुजुकी का सर्विस नेटवर्क अब 5,400 से अधिक टचपॉइंट्स तक फैल चुका है, जिसमें शहरी से लेकर ग्रामीण इलाकों तक की पहुंच शामिल है। कंपनी पेड सर्विस, फ्री सर्विस और रनिंग रिपेयर जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराती है। इस अवसर पर कंपनी के एमडी और सीईओ हिसाशी टेकेउची ने इसे सेवा टीम और डीलर्स के अथक प्रयासों का नतीजा बताया। भविष्य को ध्यान में रखते हुए कंपनी का लक्ष्य है कि वित्त वर्ष 2030–31 तक टचपॉइंट्स की संख्या 8,000 तक पहुंचाई जाए। सिर्फ सेवा ही नहीं, कंपनी की बिक्री में भी मई 2025 में 3.2प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इस दौरान कुल 1,80,077 यूनिट्स बिकीं, जबकि निर्यात में 79.8 प्रतिशत का उछाल दर्ज किया गया।

पर्यटकों के लिए मॉन्यूमेंट गुरु है 'गाइड'- प्रमुख सचिव श्री शुक्ला

टूरिस्ट गाइड रेटिंग सिस्टम में सर्वश्रेष्ठ गाइड को 2 लाख रूपये की सम्मान राशि

संवाददाता ● भोपाल

संबोधित

प्रमुख सचिव पर्यटन और संस्कृति एवं प्रबंध संचालक टूरिज्म बोर्ड श्री शिव शेखर शुक्ला ने कहा कि पर्यटन स्थलों पर गाइड पर्यटकों के 'मॉन्यूमेंट गुरु' होते है। पर्यटन स्थल के बारे में जितनी जानकारी गाइड देते है उतना ही पर्यटक जान पाते है। इसलिए गाइड द्वारा किया पर्यटकों को प्रामाणिक और शोध की गई जानकारी दी जानी आवश्यक है। प्रमुख सचिव श्री शुक्ला आरसीव्हीपी नरोन्हा प्रशासन अकादमी में गाइड उन्मुखीकरण और कौशल विकास कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। प्रमुख सचिव श्री शुक्ला ने गाइड्स को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि टूरिस्ट गाइड रेटिंग सिस्टम (RGTS) के अंतर्गत प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर आने वाले गाइड को आगामी वर्ष से पुरस्कार स्वरूप क्रमशः 2 लाख रुपये, 1 लाख रुपये एवं 50 हजार रुपये की सम्मान राशि प्रदान की जाएगी।

प्रमुख सचिव श्री शुक्ला ने कहा कि पर्यटकों की सुविधा के लिए विभिन्न भाषाओं का ज्ञान प्राप्त करें और मधुर व्यवहार रखें। प्रेरक के रूप में कार्य करते हुए पर्यटकों को स्वच्छता के लिए प्रेरित भी करें। पर्यटन स्थल की जानकारी के साथ प्रदेश की उपलब्धियों और विशेषताओं की जानकारों दे। आसपास के पर्यटन स्थलों से पर्यटकों को अवगत कराए। इससे मध्यप्रदेश के प्रति पर्यटकों में रुचि बढ़ेगी और वह फिर से पर्यटन के लिए मध्यप्रदेश आयेंगे। सभी गाइड किसी भी पर्यटक के लिए केयर टेकर की भूमिका निभाएं। इससे निश्चित ही पर्यटक सुखद और अविस्मरणीय अनुभव अपने साथ ले जाएंगे। प्रमुख सचिव श्री शुक्ला ने बताया कि आगामी समय में गाइड की संख्या में वृद्धि किए जाने के साथ गाइड को दी जाने वाली सुविधाओं में वृद्धि की जायेगी। साथ ही उनके कौशल को निखारने के लिए तकनीक आधारित वर्कशॉप और ऑनलाइन सेशन लिए जायेगे।

अपर प्रबंध संचालक टूरिज्म बोर्ड सुश्री बिदिशा मुखर्जी ने कहा कि गाइड्स, पर्यटन विभाग और पर्यटकों के बीच ब्रिज के रूप में कार्य करते हैं। वे ही प्रदेश और देश के गौरवशाली इतिहास को पर्यटकों से साझा करते हैं। उनकी कुशलता से ही आगंतुकों को हमारी समृद्ध परंपराओं और संस्कृति का ज्ञान होता है। मध्य प्रदेश में वर्तमान में 72 गाइड अपनी सेवाएं दे रहे हैं। जल्द ही 313 पदों पर गाइड की भर्ती शुरू की जाएगी। सुश्री मुखर्जी ने कहा कि गाइड्स की दक्षता को बढ़ाने के लिए आगे भी कार्यशालाएं आयोजित जाएगी। गाइड्स को अलग-अलग भाषाओं के ज्ञान के साथ ही तकनीकी रूप से दक्ष बनाने की दिशा में भी कार्य किया जा रहा हैं।

हैरिटेज वॉक में ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण

कार्यक्रम के दूसरे दिन 1 जुलाई, मंगलवार को सुबह 7 बजे से हैरिटेज वॉक का आयोजन भी किया जाएगा। कमला पार्क से सदर मंजिल तक आयोजित होने वाली इस हैरिटेज वॉक में गाइड्स को ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण कर उनकी विरासत, सांस्कृतिक महत्व एवं स्थानीय कहानियों को व्यावहारिक रुप में समझने का अवसर मिलेगा। इस कार्यशाला से गाइड्स को अपने ज्ञान व कौशल में नवाचार करने का मंच मिलेगा, जिससे वे पर्यटकों को और अधिक रोचक, तथ्यपरक एवं प्रभावी जानकारी प्रदान कर सकेंगे।

आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया के रीजनल डायरेक्टर श्री भुवन विक्रम सिंह ने कहा कि गाइड्स स्थानीय संस्कृति के परिचायक हैं। वे पर्यटकों के दिग्दर्शक हैं, जो उनकी यात्रा को अविस्मरणीय बनाते हैं। भारतीय संस्कृति से विश्व भर के पर्यटकों को अवगत कराते हैं। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में कार्यरत लाइसेंसधारी राज्य स्तरीय एवं स्थानीय गाइड्स के प्रशिक्षण, कार्यकुशलता में वृद्धि एवं व्यवहारिक दक्षता को और सुदृढ़ करने के उद्देश्य से मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा दो दिवसीय आवासीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। यह भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, राज्य पुरातत्व संग्रहालय एवं अभिलेखागार भोपाल, मध्यप्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम, IITTM ग्वालियर एवं विषय विशेषज्ञों के सहयोग से किया जा रहा है। इस दौरान विषय विशेषज्ञों ने विभिन्न सत्रों में पर्यटन स्थलों की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, प्रस्तुतिकरण कौशल, नई तकनीक, पर्यटकों के साथ संवाद शैली तथा पर्यटन संबंधी विभागीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों की जानकारी दी जा रही है। कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर टूरिस्ट गाइड रेटिंग सिस्टम (RGTS) से चयनित गाइड्स ओरछा से श्री शशि भूषण सिंह-प्रथम, सांची से श्री सुरेंद्र सिंह भदौरिया-द्वितीय और खजुहारो से श्री राजेश अवस्थी-तृतीय को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण भोपाल मंडल के अधीक्षण पुरातत्वविद् श्री मनोज कुर्मी उपस्थित थे।

शॉट न्यूज

तेज रफ्तार बाइक ट्रेलर से टकराई तीन की मौत, एक बच्ची गंभीर

रीवा। मध्य प्रदेश के रीवा में एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। एक तेज रफ्तार बाइक सड़क किनारे खड़े एक ट्रेलर से टकरा गई। इस दुर्घटना में बाइक पर सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। एक छोटी बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई है। बच्ची का अस्पताल में इलाज चल रहा है। यह घटना रीवा जिले के गढ़ थाना क्षेत्र के कलवारी मोड़ के पास हाईवे पर हुई। पुलिस के अनुसार बाइक सवार चार लोग कटरा से गढ़ जा रहे थे। तभी उनकी बाइक सड़क के किनारे खड़े एक ट्रेलर से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक सवार तीन लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। मृतकों में 24 वर्षीय सूरज गिरी, 46 वर्षीय रावेंद्र साकेत और एक महिला शामिल हैं। महिला, सूरज और रावेंद्र की रिश्तेदार बताई जा रही है। तीनों लौरी नंबर 2 के रहने वाले थे। इस हादसे में एक मासूम बच्ची भी बुरी तरह से घायल हो गई।

'रेप पीड़िताओं की मेडिकल जांच में अनिवार्य होगा प्रेग्नेंसी टेस्ट'

जबलपुर। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने रेप पीड़िताओं विशेषकर नाबालिगों के स्वास्थ्य, अधिकारों और गरिमा की सुरक्षा के उद्देश्य से एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। हाईकोर्ट ने निर्देश दिया कि रेप की शिकायत दर्ज होने के बाद की जाने वाली प्रारंभिक चिकित्सकीय जांच में गर्भावस्था परीक्षण (प्रेग्नेंसी टेस्ट) अनिवार्य रूप से किया जाए। जस्टिस विशाल मिश्रा की एकल बेंच ने यह निर्देश देते हुए राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को आदेश दिया कि वे सभी जिलों के पुलिस अधीक्षकों को यह निर्देश स्पष्ट रूप से जारी करें, ताकि पूरे राज्य में इसका एक समान पालन हो। हाईकोर्ट ने अपने आदेश में चिंता जताई कि रेप के मामलों खासकर नाबालिग लड़कियों के मामलों में अक्सर जांच और मेडिकल प्रक्रिया में देरी होती है। इससे कई बार गर्भावस्था का पता बहुत देर से चलता है।

भोपाल में सरेराह युवक की गोली मारकर हत्या

भोपाल। भोपाल में एक युवक की सरेराह गोली मारकर हत्या कर दी। वह अपने दोस्त का बर्थडे सेलिब्रेट कर रहा था। इस दौरान दो बाइक से आए 6 बदमाशों ने अंधाधुंध फायरिंग कर दी। दो गोलियां युवक के सिर और पेट में लगी। उसकी मौत हो गई। घटना छोला मंदिर थाना क्षेत्र के लीलाधर कॉलोनी में शनिवार देर रात की है। मृतक का नाम अमित वर्मा (22) है। हत्या का आरोप कुख्यात बदमाश नसीम बन्ने खां और उसके साथियों पर हैं। नसीम स्वयं को गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई का गुर्गा बताता है। वारदात के बाद इलाके में दहशत फैल गई। हमलावर राजा खटीक नाम के बदमाश की हत्या करना चाहते थे। राजा वारदात के समय अमित के साथ था। वारदात के बाद आरोपियों के अलग-अलग वीडियो वायरल हो रहे हैं।

एमपी को मिली नई सौगात, ग्वालियर से बेंगलुरु तक चलेगी ये ट्रेन, किराया भी कम

संवाददाता ● भोपाल

सौगात

भारतीय रेलवे यात्रियों की सुविधा के लिए लगातार नई ट्रेनों की शुरुआत कर रहा है। इसी कड़ी में एक नई ट्रेन शुरू कर मध्य भारत को दक्षिण भारत से जोड़ने की कोशिश की गई है। यह ट्रेन ग्वालियर से बेंगलुरु के बीच चलाई गई है। 2 हजार किलोमीटर से भी लंबा यह सफर करीब 43 घंटों में पूरा होगा। यह ट्रेन साप्ताहिक तौर पर चलेगी। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव तथा केंद्रीय संचार और पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने 26 जून को ग्वालियर-बेंगलुरु एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर नई सेवा का शुभारंभ किया। यह ट्रेन मध्य प्रदेश से निकलकर 4 राज्यों का सफर तय करते हुए अपनी मंजिल तक पहुंचेगी। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने ट्रेन के शुभारंभ पर बताया कि इस ट्रेन के शुरू होने से मध्य प्रदेश के छात्रों, आईटी प्रोफेशनल्स और व्यापारियों के लिए महाराष्ट्र, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक आना-जाना आसान हो जाएगा। साथ ही यह भी बताया कि पहली बार ग्वालियर से कोई ट्रेन शुरू होकर बेंगलुरु तक जाएगी। वापसी में यह ट्रेन (11086) बेंगलुरु से रविवार दोपहर बाद 3.50 बजे रवाना होगी और मंगलवार सुबह 10.25 बजे ग्वालियर पहुंचेगी। यह ट्रेन कल रविवार से एसएमवीटी बेंगलुरु से नियमित तौर पर शुरू हुई और 4 जुलाई से ग्वालियर से रवाना होगी। साप्ताहिक तौर पर चलने वाली ग्वालियर-बेंगलुरु एक्सप्रेस ट्रेन में स्लीपर का किराया ग्वालियर से बेंगलुरु तक 775 रुपये हैं जबकि एसी 3टायर के लिए इस ट्रेन में 2050 रुपये देने होंगे। एसी 3 टायर इकोनॉमी के लिए एक टिकट की कीमत 1940 रुपये तय की गई है।

सफर के दौरान पड़ेंगे 25 स्टेशन

रेल मंत्रालय के अनुसार, यह ट्रेन अपने सफर के दौरान मध्य प्रदेश समेत 5 राज्यों से होते हुए अपनी मंजिल तक पहुंचेगी। इस ट्रेन में 22 कोच लगाए गए हैं जिसमें सबसे अधिक स्लीपर कोच के 7 डिब्बे लगे हैं। तो एसी3 टायर के लिए 4 डिब्बा और 4 जनरल कोच लगेंगे। ट्रेन अपने लंबे सफर के दौरान कई स्टेशनों पर भी रुकेगी और इस दौरान कुल 25 स्टेशन पड़ेंगे। ट्रेन का स्टॉपेज शिवपुरी, गुना, अशोक नगर, बीना जंक्शन, विदिशा, भोपाल और बैतूल के बाद नागपुर, सेवाग्राम, चंदरपुर, बल्लारशाह, सिरपुर, कघजनगर, बेल्लामपल्ली, काजीपेट, काचीगुडा, महबूबनगर, गडवाल, कर्नूल, धोने, अनंतपुर, धर्मावरम, हिन्दुपुर और एसएमवीटी बेंगलुरु स्टेशन पर भी होगा।

बॉयफ्रेंड संग भागी पत्नी पति ने खा लिया जहर

ग्वालियर। मध्य प्रदेश के ग्वालियर से शादी में धोखे का मामला सामने आया है। यहां एक युवक ने पत्नी की बेवफाई से दुखी होकर जहर खा लिया। उसे आनन-फानन में अस्पताल में भर्ती करवाना पड़ गया, जहां उसकी हालत गंभीर है। पति ने बताया- मेरी पत्नी अपने बॉयफ्रेंड के साथ भाग गई है। मेरे ही ससुर ने उसे 10 लाख रुपये में बेचा है। मामला भिरवार इलाके का है। यहां वार्ड नंबर- 1 में बंजारा मोहल्ला में रहने वाले एक युवक ने जहर खा लिया। जहर खाने वाले युवक ने कहा- मैंने पत्नी की हरकत से दुखी होकर जहर खाया है। मेरे ससुर ने पत्नी का सौदा उसके बॉयफ्रेंड से किया। उसे 10 लाख में बेच दिया। शादीशुदा होते हुए भी मेरी बीवी फिर अपने बॉयफ्रेंड के साथ भाग गई। पुलिस के मुताबिक- मोनू बंजारा की पत्नी 19 जून को धर्मवीर बंजारा के साथ चली गई। पीड़ित पति ने इस संबंध में पुलिस को बताया कि धर्मवीर बंजारा और उसका जीजा सुमित बंजारा और अन्य लोगों ने मिलकर उसकी पत्नी को ले गए हैं। साथ ही मंगलसूत्र, झुमकी, अंगूठी, चूड़ी, करधौनी और पायल समेत करीब 2 लाख रुपए के गहने और डेढ़ लाख रुपए नगद भी ले गई है। इसी से दुखी होकर अब मोनू ने जहर खा लिया जिससे उसकी तबीयत बिगड़ गई भितरवार में प्राथमिक उपचार के बाद ग्वालियर रेफर कर किया गया है। ग्वालियर में अस्पताल में भर्ती मोनू ने ससुर छत्रपाल बंजारा पर उसकी पत्नी को भगवाने में मदद किए जाने का आरोप लगाया है। उसका आरोप है कि ससुर ने उसकी पत्नी को 10 लाख रुपये में बेच दिया है। मोनू के मुताबिक उसका एक दो साल का बेटा भी है जिसे भी पत्नी छोड़कर गई है। बताया गया है कि पुलिस ने मोबाइल लोकेशन के आधार पर मोनू की पत्नी का पता लगा लिया था।

'ससुर ने मेरी बीवी को 10 लाख में बेचा'

जल गंगा संवर्धन अभियान

मध्यप्रदेश का जल संकल्प, पानी की बूंद, जीवन की नींव

संवाददाता ● भोपाल

'क्षिति, जल, पावक, गगन, समीरा,पंचतत्व से बना शरीरा' रामचरित मानस की इस चौपाई के पंचतत्वों में से एकजल, जीवन का आधार है। हमें जीवन के अस्तित्व के लियेजल को संरक्षित करना ही होगा। इसे आने वाली पीढ़ियों के लिए बचाना जरूरी है। ऋग्वेद की ऋचाओं में जल के महत्व, विशेषताओं और संरक्षण का संकेत है। रामायण और महाभारत में प्रकृति के संरक्षण का उल्लेख है। जल संरक्षण हमारी पुरातन संस्कृति है। यह अपनी परंपरा और संस्कारों की ऐतिहासिक विरासत है जिसे हमें अगली पीढ़ी तक पहुंचाना है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की विरासत से विकास की दृष्टि समग्र कल्याण के लिए है जो प्रकृति संवर्धन से लेकर विकास के हर पक्ष में समाहित है। मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता है कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी जब गुजरात के मुख्यमंत्री थे तब उन्होंने लंबे समय तक जल संरक्षण का अभियान चलाया था उन्हीं से प्रेरणा लेकर मध्यप्रदेश में हमने जल गंगा संवर्धन अभियान की संकल्पना की। इस अभियान का शुभारंभ 30 मार्च गुड़ी पड़वा, नववर्ष विक्रम संवत अवसर पर महाकाल की नगरी उज्जयिनी के शिप्रा तट से किया गया। यह अभियान जल संरक्षण, जल स्रोतों के पुनर्जीवन और जन-जागरुकता को समर्पित रहा है। जल संग्रह के कई कीर्तिमान रचने के साथ आज हम जल संरक्षण की समृद्धि का उत्सव मना रहे हैं।

मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता है कि इस 90 दिन तक चले अभियान में पूरे प्रदेश में बड़े पैमाने पर जलसंरचनाओं पर काम हुआ है। इस अभियान में खंडवा जिले ने 1.29 लाख संरचनाओं का निर्माण किया है इस विशेष उपलब्धि के लिए खंडवा को भू-गर्भ जल भंडारण की दृष्टि से प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जल सुरक्षा और प्रभावी जल प्रबंधन के लिए कैच द रेन अभियान शुरूकिया। इसी से प्रेरणा से लेकर मध्यप्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत वर्षा के एक-एक बूंद को सहेजने का प्रयास किया गया। प्रदेश में पहली बार वर्षा जल को सहेजने का बड़े स्तर पर अभियान चला इससे भविष्य में भू-जल की निर्भरता कम होगी और पानी की हर बूंद का उपयोग होगा। हमने प्रधानमंत्री जी के मिशन लाइफ मंत्र को आत्मसात किया और अपनी जीवन शैली में बदलाव करके पर्यावरण रक्षा का सूत्र हाथ में लिया है। इससे जन-जन में पर्यावरण मित्र के रूप में जीवन जीने की परंपरा निर्मित हुई है। प्रदेशवासी मिशन लाइफ के अनुसार प्रकृति के साथ प्रगति पथ पर आगे बढ़ेंगे। प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश में पहली बार रि-यूज वाटर पोर्टल निर्मित किया जा रहा है। यह पहल प्रदेश में जल संरक्षण और पुनः उपयोग की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। इस तरह प्रदेश जल प्रबंधन के लिए तीन सिद्धांत री-यूज, रीड्यूज और री-साइकल पर आधारित रणनीति बनाकर काम कर रहा है।

आदिवासी-महिला वर्ग के बीच भी भाजपा टटोल रही प्रदेश अध्यक्ष का चेहरा

संवाददाता ● भोपाल

चर्चा

भारतीय जनता पार्टी का नया प्रदेश अध्यक्ष अगले माह मिल जाएगा। पार्टी ने इसको लेकर तैयारी शुरू कर दी है। वैसे तो अब तक नए अध्यक्ष की दौड़ में हेमंत खंडेलवाल का नाम सबसे अधिक चर्चा में है, लेकिन भाजपा आदिवासी और महिला वर्ग के बीच भी प्रदेश अध्यक्ष का चेहरा टटोल रही है। वर्तमान में विष्णुदत्त शर्मा सामान्य वर्ग से भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हैं और साढ़े पांच वर्ष का लंबा कार्यकाल पूरा कर चुके हैं। डॉ. मोहन यादव ओबीसी वर्ग से मुख्यमंत्री और अनुसूचित जाति वर्ग व ब्राह्मण वर्ग से दो उप मुख्यमंत्री हैं। यही वजह है कि भाजपा अब प्रदेश अध्यक्ष की कमान आदिवासी या महिला के हाथों में सौंप सकती है।

हालांकि यह केंद्रीय नेतृत्व ही तय करेगा, लेकिन एक जुलाई को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पद के चुनाव अधिकारी धर्मेंद्र प्रधान का मध्य प्रदेश में दौरा इस बात का संकेत है कि जुलाई के प्रथम सप्ताह में प्रदेश अध्यक्ष के चयन की प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। दो जुलाई को भी बैठक रखी गई है। दो दिन में नामांकन से लेकर चुनाव की सारी प्रक्रिया पूरी की जाएगी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के दावेदारों में आदिवासी वर्ग के नेता बैतूल सीट से सांसद और केंद्रीय राज्य मंत्री दुर्गादास उइके और खरगोन सीट से सांसद गजेंद्र पटेल के नाम पर भी मंथन तेज हुआ है। इधर उइके की दावेदारी इसलिए भी प्रबल दिखाई दे रही है क्योंकि गुजरात के प्रदेश अध्यक्ष सीआर पाटिल हैं और वह केंद्रीय मंत्री भी है। ऐसे में यह प्रयोग पार्टी मध्य प्रदेश में उइके को लेकर कर सकती है। मध्य प्रदेश में भाजपा संगठन काफी मजबूत है। यहां पार्टी जो भी प्रयोग करती है वे सफल रहे हैं। इसलिए पार्टी इस बार महिला प्रदेश अध्यक्ष बनाने का प्रयोग भी कर सकती है। महिला नेत्रियों में पूर्व मंत्री व बुरहानपुर से विधायक अर्चना चिटनीस, आदिवासी नेत्री पूर्व मंत्री रंजना बघेल के नाम भी चर्चा में हैं। रंजना बघेल कई बार की विधायक रही हैं और संगठन में भी उपाध्यक्ष रही हैं।

टाइगर रिजर्व में घूमने का आज अंतिम दिन, कल से तीन महीने तक रहेगा बंद

संवाददाता ● पन्ना

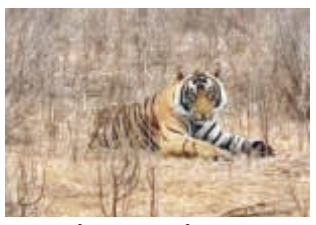

वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व में पर्यटन का आज अंतिम दिन है। एक जुलाई से प्रदेश के अन्य टाइगर रिजर्व की तरह यहां भी पर्यटकों के प्रवेश पर तीन महीने तक रोक रहेगी। टाइगर रिजर्व अब एक अक्टूबर से दोबारा पर्यटकों के लिए खोला जाएगा। मध्यप्रदेश का यह सातवां टाइगर रिजर्व सागर, दमोह और नरसिंहपुर जिलों में फैला हुआ है। यहां भविष्य में बैटरी चालित वाहन शुरू करने की योजना भी बनाई जा रही है ताकि जंगल में प्रदूषण कम हो और वन्यजीवों को अनुकूल वातावरण मिल सके। यह टाइगर रिजर्व नौरादेही और दुर्गावती अभ्यारण्यों को मिलाकर बनाया गया है। इसका कुल क्षेत्रफल 2,339 वर्ग किलोमीटर है, जिसमें 1,414 वर्ग किलोमीटर कोर क्षेत्र और 925।12 वर्ग किलोमीटर बफर क्षेत्र शामिल हैं। वर्तमान में यहां 24 से अधिक बाघ हैं। इनमें नन्हें शावकों से लेकर व्यस्क बाघ भी शामिल हैं, जिन्होंने अपने अलग-अलग इलाके बना लिए हैं। बाघों के अलावा यहां तेंदुआ, नीलगाय, भालू, सांभर, चीतल समेत कई अन्य शाकाहारी और मांसाहारी प्रजातियां भी पाई जाती हैं। इस टाइगर रिजर्व का बड़ा हिस्सा दमोह जिले में आता है। रिजर्व प्रबंधन इसे अन्य टाइगर रिजर्व की तुलना में बेहतर बनाने के लिए लगातार प्रयासरत है। सूत्रों के मुताबिक भविष्य में यहां बाघ और चीता दोनों को एक ही रिजर्व में रखने की योजना पर भी विचार चल रहा है।

24 घंटे में गिर सकता है साढ़े चार इंच तक पानी

मप्र के 20 जिलों में आज भारी बारिश का अलर्ट

संवाददाता ● भोपाल

अलर्ट

मध्यप्रदेश में तेज बारिश का दौर जारी है। सोमवार को भी मौसम विभाग ने 20 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार, जिन जिलों में सोमवार को भारी बारिश होने की चेतावनी दी गई है, उनमें ग्वालियर, श्योपुर, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, विदिशा, सागर, रायसेन, राजगढ़, शाजापुर, आगर-मालवा, मंदसौर, नीमच, दमोह, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना, मंडला और बालाघाट शामिल हैं। यहां 24 घंटे में साढ़े 4 इंच तक पानी गिर सकता है। भोपाल, इंदौर, उज्जैन, जबलपुर समेत बाकी के जिलों में बारिश का यलो अलर्ट है। मौसम विभाग ने 1 और 2 जुलाई को प्रदेश में अति भारी या भारी बारिश की चेतावनी दी है। इंदौर और उज्जैन संभाग के जिलों में सिस्टम का असर कम देखने को मिल सकता है लेकिन ग्वालियर-चंबल, जबलपुर, नर्मदापुरम, सागर, भोपाल, रीवा और शहडोल संभाग में असर ज्यादा रहेगा।

ग्वालियर में 9 घंटे में गिरा 3 इंच पानी

एमपी में रविवार को भी तेज बारिश का दौर जारी रहा। ग्वालियर में 9 घंटे में 3 इंच से ज्यादा बारिश हो गई। नर्मदापुरम में डेढ़ इंच, भोपाल में सवा इंच, रायसेन में पौन इंच, बैतूल में आधा इंच पानी गिरा। इंदौर, गुना, रतलाम, उज्जैन, छिंदवाड़ा, जबलपुर, मंडला, नरसिंहपुर, सागर, सिवनी, बालाघाट, बड़वानी, विदिशा, शाजापुर, आगर-मालवा, देवास, सीहोर समेत कई जिलों में भी बारिश हुई।

मध्य प्रदेश में यह सिस्टम एक्टिव - मौसम विभाग के सीनियर वैज्ञानिक अरुण शर्मा ने बताया कि फिलहाल एक टर्फ मध्यप्रदेश से होकर गुजर रही है। वहीं, साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम भी एक्टिव है। इस वजह से प्रदेश में बारिश का दौर जारी है।

!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!
दैनिक आदित्य भारत
सदैव सत्य के साथ...
इंदौर, मंगलवार, 01 जुलाई, 2025
www.adityabharat.com

इब्राहिम संग पलक का नाम जुड़ने पर आया राजा चौधरी का रिएक्शन

श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी एक्टिंग की दुनिया में कदम रख चुकी हैं। हार्डी संधू संग उनका पहला म्यूजिक वीडियो बिजली-बिजली काफी ज्यादा पॉपुलर हुआ था। इसके बाद उन्होंने सलमान खान की फिल्म किसी का भाई किसी की जान में काम किया। हाल ही में उन्हें संजय दत्त और मौनी रॉय स्टारर द भूतनी में देखा गया। बी टाउन में अक्सर सितारों के डेटिंग की अफवाहें सुनने को मिलती हैं। पलक का नाम सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान संग जोड़कर देखा गया। डेटिंग अफवाहों पर पलक के पिता और श्वेता के एक्स हसबैंड राजा चौधरी ने खुलकर बात की है। पलक तिवारी को कई बार इब्राहिम संग स्पॉट किया गया। प्रशंसकों का भी मानना है कि पलक और इब्राहिम एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। लेकिन दोनों ने ही इसकी पुष्टि नहीं की है। अब पलक के पिता राजा चौधरी ने बेटी के डेटिंग रूमर्स पर बात करते हुए उन्हें एक खास सलाह भी दी।

बेटी को दी खास सलाह

राजा चौधरी ने कहा, मैं अपने पर्सनल अनुभव के आधार पर यही कहना चाहता हूं कि इन चक्करों से दूर रहे और अपने करियर पर फोकस करें। वही एक सबसे जरूरी चीज है, जो आगे चलकर काम आएगी। उन्होंने अपनी बात पूरी करते हुए आगे कहा, किसी को भी 30-35 की उम्र से पहले रिश्ते में नहीं आना चाहिए, क्योंकि लोग कम उम्र में रिश्तों को संभालने के योग्य नहीं बन पाते हैं। पिछले महीने, द भूतनी के प्रमोशन के दौरान पलक तिवारी ने डेटिंग की अफवाहों के बारे में कहा कि वह नहीं चाहती कि ऐसे समय उनकी लव लाइफ के बारे में बात की जाए, जब वह अपना करियर बनाने की कोशिश में लगी हुई है।

शादी के एक साल बाद प्रेग्नेंट हैं सोनाक्षी सिन्हा?

सोनाक्षी सिन्हा और उनके पति जहीर इकबाल की शादी को एक साल हो चुका है। इस कपल ने अपनी पसंद से शादी की थी और काफी ट्रोलिंग का सामना भी किया, खासकर इंटर-रिलीजन मैरिज की वजह से। हालांकि, अब सोशल मीडिया पर लोग सोनाक्षी की प्रेग्नेंसी को लेकर बातें बना रहे हैं। जब भी वो कोई फोटो या वीडियो पोस्ट करती हैं, लोग उसमें बेबी बंप ढूंढने लगते हैं। अब इन अफवाहों पर सोनाक्षी ने पहली बार खुलकर बात की है। अपनी आने वाली फिल्म 'निकिता रॉय' के प्रमोशन के दौरान सोनाक्षी ने कहा कि लोगों को बस बात करने का मौका चाहिए होता है। उन्होंने कहा- 'अगर मैं कहूं कि मैंने सफेद कपड़े पहने हैं, तो कोई कह देगा नहीं, ये तो काले हैं। लोगों को किसी ना किसी बात से दिक्कत होती ही है।' सोनाक्षी का कहना है कि अब वो इन सब बातों पर ध्यान देना छोड़ चुकी हैं। उन्होंने कहा- 'जब मैं शूट पर नहीं होती, तो अपनी पर्सनल लाइफ में बहुत खुश और शांत रहती हूं। इसलिए जब ऐसी बातें होती हैं, तो मैं अब उन्हें बेहतर तरीके से संभाल पाती हूं।' सोनाक्षी की फिल्म 'निकिता रॉय' को पहले दूसरी फिल्मों 'मां' और 'कन्नप्पा' के साथ क्लैश होने की वजह से पोस्टपोन कर दिया गया था। अब ये फिल्म 18 जुलाई को रिलीज होगी।

दीपिका-श्रद्धा और आलिया ने ठुकरा दी थी आमिर की ये फिल्म

मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान जब भी बड़े पर्दे पर आए हैं, हमेशा अपने अभिनय से जादू किया है। इस बात में कोई शक नहीं है कि उन्होंने सिनेमा को क्लासिक कल्ट के साथ-साथ ब्लॉकबस्टर मूवीज से नवाजा है, लेकिन यह भी सच है कि उनकी कई फिल्में बुरी तरह पिटी हैं। धूम 3, पीके, दंगल और सीक्रेट सुपरस्टार जैसी बैक-टू-बैक सुपरहिट फिल्म देने के बाद आमिर खान 2018 में ठग्स ऑफ हिंदोस्तान लेकर आए। इस फिल्म से उम्मीद तो काफी थी, लेकिन जब यह रिलीज हुई तो बुरी तरह पिटी। इसे रिव्यू भी कुछ खास अच्छे नहीं मिले थे। ठग्स ऑफ हिंदोस्तान में आमिर खान के अपोजिट कटरीना कैफ नजर आई थीं जो उनके साथ धूम 3 भी कर चुकी थीं। हाल ही में, आमिर ने रिवील किया है कि कटरीना से पहले कोई भी यह फिल्म करने के लिए तैयार नहीं था। ठग्स ऑफ हिंदोस्तान का ऑफर दीपिका पादुकोण, आलिया भट्ट और श्रद्धा कपूर को दिया गया था लेकिन तीनों ने ही फिल्म को करने से मना कर दिया था। आमिर ने बताया कि कोई भी यह फिल्म करने को तैयार नहीं थी। आमिर खान ने कहा, 'जब हम कास्टिंग कर रहे थे, तब कोई भी हीरोइन फिल्म करने को राजी नहीं हो रही थी। दीपिका ने मना किया, आलिया ने मना किया और श्रद्धा ने भी न बोल दिया। आखिर में विक्टर (डायरेक्टर विजय कृष्ण अय्यर) फातिमा सना शेख के पास गए। हालांकि, आदित्य चोपड़ा और विक्टर ने क्लियर कर दिया था कि भले ही उनका टेस्ट अच्छा था, लेकिन वह मेरे अपोजिट काम नहीं करेंगी क्योंकि मैंने दंगल में उनके पिता का किरदार निभाया था।' आमिर खान ने आगे कहा, 'उन्हें (आदित्य-विक्टर) को फिक्र थी कि दर्शक इसे स्वीकार नहीं करेंगे।

डेब्यू से पहले ही ट्रोल हो रही स्टारकिड, बोले- 'क्या जर्नी रही?'

गाने के बाद भी खूब लगी थी क्लास

संजय और महीप कपूर की बेटी शनाया कपूर को उनकी पहली फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' से डेब्यू करने जा रही हैं। शनाया की ये फिल्म विक्रांत मेसी के साथ बनी है और 11 जुलाई को रिलीज हो रही है। फिल्म रिलीज से पहले ही शनाया कपूर ट्रोलर्स का शिकार हो रही हैं। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में शनाया ने अपने करियर की अब तक की जर्नी पर बात की जो लोगों को पसंद नहीं आई। शनाया ने कहा, 'मुझे लगता है कि अब तक मेरी जो भी यात्रा रही है, उसने मुझे बहुत कुछ सिखाया है। चाहे शोहरत हो या दबाव, शोहरत के साथ कमेंट्स और आलोचनाएं भी आती हैं। मैंने इसे सकारात्मक तरीके से लिया है, फीडबैक के तौर पर और इससे सीखा है, इससे आगे बढ़ी हूं। और मैं आज जो हूं, वह अपने माता-पिता की वजह से हूं। उन्होंने मुझे एक खास तरीके से पाला है। हां, मेरा माहौल ऐसा ही रहा है, लेकिन मुझे नहीं लगता कि मैं इसे किसी और तरह से चाहती हूं क्योंकि आज मुझे खुद पर भरोसा है कि मैं कौन हूं।' शनाया ने अपने करियर में उतार-चढ़ाव के बारे में बताते हुए कहा, 'मुझे लगता है कि यह शायद उन चीजों के साथ आता है जिनसे मैं आज यहां तक पहुंचने के दौरान गुजरी हूं। आज यहां तक पहुंचना अपने आप में एक यात्रा रही है। मुझे लगता है कि हर चीज किसी कारण से होती है, सब कुछ वैसा ही होता है जैसा कि कुछ महान होने के लिए होना चाहिए। मैं खुश हूं, मैं अपनी उंगलियां क्रॉस करके रख रही हूं।' लेकिन Reddit यूजर्स को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। एक कमेंट में लिखा था, 'यहां संघर्ष करने वाला एकमात्र व्यक्ति मैं हूं और उसकी काल्पनिक यात्रा से जुड़ने में मेरी असमर्थता। वह जिस एकमात्र यात्रा पर गई है, वह उसके लिविंग रूम से फिल्म सेट तक की है।' एक अन्य ने लिखा, 'यात्रा ?? कब शुरू हुई बहन?' एक अन्य यूजर ने कमेंट किया, 'दीदी।' रस्किन बॉन्ड की शॉर्ट स्टोरी 'द आइज हैव इट' पर आधारित, आंखों की गुस्ताखियां एक दृष्टिहीन संगीतकार (विक्रांत मैसी द्वारा अभिनीत) और एक थिएटर कलाकार (शनाया कपूर द्वारा अभिनीत) के बीच एक खूबसूरत प्रेम कहानी बताती है। आंखों की गुस्ताखियां 11 जुलाई को सिनेमाघरों में आने के लिए तैयार है।

अजीत डोभाल की जिंदगी पर बनेगी फिल्म 'सलाकार'

मौनी रॉय करेंगी जासूसी!

बॉलीवुड एक्ट्रेस मौनी रॉय फिल्म 'भूतनी' के बाद एक बार फिर दमदार अंदाज में वापसी करने को तैयार हैं। मौनी जल्द ही एक स्पाई थ्रिलर फिल्म 'सलाकार' में नजर आने वाली है। इस फिल्म में वो एक जासूस के किरदार में दिखाई देंगीं। हालांकि ये फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज न होकर सीधे JioHotstar पर रिलीज होगी। इस फिल्म को लेकर अब बड़ा अपडेट भी सामने आया है। दरअसल इस फिल्म को लेकर जानकारी सामने निकल कर आ रही है कि यह फिल्म कथित तौर पर अजीत डोभाल पर आधारित है। जो वर्तमान में भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार के रूप में कार्यरत हैं। फिल्मफेयर की एक रिपोर्ट के मुताबिक, डायरेक्टर फारुक कबीर की फिल्म राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल की लाइफ और करियर पर केंद्रित है। हालांकि मेकर्स ने फिल्म की मुख्य स्टार कास्ट के नामों को खुलासा नहीं किया गया है, लेकिन मौनी इस प्रोजेक्ट का हिस्सा हैं। जानकारी के मुताबिक फिल्म 'सलाकार' भारतीय स्वतंत्रता दिवस यानी 15 अगस्त को जियो हॉटस्टार पर रिलीज होगी। बता दें कि 'सलाकार' के डायरेक्शन और लेखन की कमान फारुक कबीर ने ही संभाली है। फारुक को खुदा हाफिज, 'खुदा हाफिजः चैप्टर 2' जैसी फिल्मों के लिए जाना जाता है। वहीं 'ब्रह्मास्त्र' और 'केजीएफ' जैसी फिल्मों में काम करने वाली बॉलीवुड एक्ट्रेस मौनी रॉय को आखिरी बार फिल्म 'भूतनी' में देखा गया था। मौनी रॉय ने 2006 में टीवी शो 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' से एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। उनका टीवी शो नागिन घर-घर में पॉपुलर हुआ था। अब जल्द ही वो 'सलाकार' में दिखाई देंगी। इसके बाद 'है जवानी तो इश्क होना है' फिल्म में भी उनके नाम की चर्चा है।

सारा ने आदित्य रॉय कपूर के कंधे पर आराम करते हुए शेयर की तस्वीर

फैंस को क्यों आ गई श्रद्धा कपूर की याद?

आदित्य रॉय कपूर और सारा अली खान की जोड़ी इन दिनों सुर्खियों में है। फैंस इन्हें बॉलीवुड की अगली जोड़ी के तौर पर देख रहे हैं। दोनों अनुराग बसु की फिल्म मेट्रो... इन दिनों में नजर आने वाले हैं और फिलहाल फिल्म का प्रमोशन चल रहा है। इस बीच दोनों हाल ही में में कोलकाता पहुंचे। पूर्व क्रिकेटर सौरव गांगुली के घर पर बंगाली व्यंजनों का लुत्फ़ उठाने के बाद, दोनों ने साथ में कुछ तस्वीरें खिंचवाईं। सारा अली खान ने अपने इंस्टाग्राम पर आदित्य के साथ एक तस्वीर शेयर की है जिसे देखकर फैंस को उनकी कथित पूर्व प्रेमिका श्रद्धा कपूर के साथ उनकी शानदार केमिस्ट्री की याद आ गई। मेट्रो...इन दिनों की रिलीज से पहले सारा अली खान और आदित्य रॉय कपूर कोलकाता की सिग्नेचर येलो टैक्सी के ऊपर बैठे थे। फोटो में सारा ने आदित्य को अपने पास पकड़ा हुआ है और अपना सिर उनके कंधों पर टिका रखा है। फोटो देखकर फैंस तुरंत हरकत में आ गए और शहर में इस नई जोड़ी को पसंद करने लगे। एक यूजर न कमेंट सेक्शन में लिखा, 'बहुत सुंदर... बहुत खूबसूरत...कमाल की लग रही हो!!' दूसरे ने लिखा,'न्यू लव बर्ड्स', 'बढ़िया जोड़ी' वहीं कुछ तेज नजर वाले यूजर्स ने सारा की हील्स में कमी निकालना शुरू कर दिया। एक ने लिखा, 'सारा की हील्स कितनी टाइट लग रही हैं। कोई इस तरह के जूते कैसे पहन लेता है?? यह ठीक से फिट भी नहीं है।' अन्य फैंस ने श्रद्धा के साथ आदित्य को मिस किया। उन्होंने लिखा, 'हमेशा आदित्य और श्रद्धा को देखना चाहूंगा।' बता दें कि श्रद्धा और आदित्य रॉय कपूर ने साल 2013 में साथ में फिल्म आशिकी 2 में काम किया था। फैंस को इनकी जोड़ी खूब पसंद आई थी और फिल्म ने खूब सफलता हासिल की थी। ट्रेलर लॉन्च के दौरान आदित्य और सारा से कई तरह के सवाल किए गए। इस दौरान आदित्य से 'सिचुएशनशिप' को लेकर सवाल पूछा गया जो आदित्य और सारा के लिए आश्चर्य की बात थी। आदित्य ने जवाब दिया, 'मुझे यह भी समझ में नहीं आया कि शब्द का मतलब क्या है। इसलिए, मुझे लगता है कि मैं इस मामले में पुराने जमाने का हूं।' सारा ने कहा, 'मैं भी ऐसा ही मानती हूं। मैं वास्तव में सिचुएशनशिप में विश्वास नहीं करती।' सारा और आदित्य के अलावा, मेट्रो... डिनो में अनुपम खेर, नीना गुप्ता, पंकज त्रिपाठी, कोंकणा सेन शर्मा, अली फजल, फातिमा सना शेख नजर आएंगे। फिल्म 4 जुलाई को रिलीज होगी।

'शाहरुख ने किया मजाक, सलमान ने दिया डिप्रेशन में साथ'?

शाहरुख खान, सलमान खान, और आमिर खान की दोस्ती के खूब चर्चे होते हैं। लेकिन एक वक्त था जब तीनों के आपसी रिश्ते अच्छे नहीं हुआ करते थे। फिर तीनों का ये रिश्ता गहरा कब और कैसे हुआ? इस बारे में आमिर खान ने खुद बात की है। उन्होंने बताया कि कैसे शाहरुख से वक्त के साथ सब ठीक हो गया, वहीं सलमान ने उनका तब साथ दिया जब वो डिप्रेशन के दौर से गुजर रहे थे। आमिर ने हाल ही में बताया कि एक समय वो और शाहरुख खान "चिढ़चिढ़े" और बहुत अलग विचारों वाले थे, लेकिन अब दोनों का रिश्ता काफी सुधरा हुआ है और वे गहरी दोस्ती में बंध गए हैं। पहले दोनों एक दूसरे को छिछोरा बुला चुके हैं। पूछे जाने पर आमिर ने कहा, "उस समय मैं शाहरुख को बहुत अच्छी तरह नहीं जानता था, हम अक्सर मिलते रहते थे, और कभी-कभी हम एक दूसरे के घर पर भी घूमते थे।" लेकिन जब आमिर को उनके एक पुराने व्लॉग के बारे में याद दिलाया गया, जब वो पंचगनी के फार्महाउस पर थे और कहा था कि "शाहरुख मेरे पैर चाट रहा है," तो उन्होंने क्लियर किया कि कि वो दरअसल फार्महाउस के कुत्ते की बात कर रहे थे, जिसका नाम शाहरुख के नाम पर रखा गया था। आमिर ने आगे कहा, "SRK अक्सर मुझ पर तरह-तरह के मजाक करता रहता है। हर साल जब अवॉर्ड फंक्शन होते हैं और मैं उनमें नहीं जाता।

हेरा फेरी में बाबू राव की फिर वापसी, अक्षय संग मामला सुलटा? परेश रावल बोले- सब कुछ

'कहते हैं अगर किसी चीज को दिल से चाहो, तो पूरी कायनात उसे पूरा करने में लग जाती है।' ये कहावत 'हेरा फेरी' फ्रेंचाइजी के फैंस पर एकदम फिट बैठती नजर आई है। क्योंकि 'बाबू राव' यानी एक्टर परेश रावल और अक्षय कुमार के बीच चल रहा 'हेरा फेरी 3' विवाद अब खत्म हो चुका है। खुद परेश रावल ने इसकी पुष्टि करके फैंस को ये गुड न्यूज सुनाई है। हाल ही में परेश रावल ने एक इंटरव्यू में 'हेरा फेरी 3' से जुड़े विवाद पर खुलकर बात की है। उनका कहना है कि ये कोई विवाद नहीं था। वो सिर्फ ये चाहते थे कि सभी साथ आकर मेहनत करें। अब सारे मामले सुलझ चुके हैं। हिमांशु मेहता संग बातचीत में परेश रावल ने कहा, 'नहीं, कोई कॉन्ट्रोवर्सी कुछ नहीं है। क्या होता है कि जब कोई चीज इतनी लोगों को भाती है, तब हमें थोड़ा और सावधान होने की जरूरत होती है।' 'ऑडियंस के लिए हमारी एक जिम्मेदारी होती है कि वो लोग बैठे हैं, आपको इतना प्यार करते हैं। आप चीजों को नजरअंदाज या हल्के में नहीं ले सकते हैं। उनको मेहनत करने दो। तो मेरा ये ही है कि सब साथ में आएं और मेहनत करें, और कुछ नहीं। लेकिन ये कोई विवाद नहीं हुआ है। अब हमारे बीच सब कुछ सुलझ गया है।' परेश रावल ने आगे 'हेरा फेरी 3' फिल्म की मेकिंग पर बात कही। उनका कहना है कि फिल्म पहले जैसे आने वाली थी, वैसी ही आएगी। 'फिल्म पहले भी आने ही वाली थी। लेकिन क्या होता है कि थोड़ा एक-दूसरे को फाइन ट्यून करना पड़ता है। क्योंकि सभी क्रिएटिव लोग हैं। जैसे प्रियदर्शन, अक्षय या सुनील शेट्टी। ये सभी मेरे कई सालों से दोस्त रहे हैं।' कुछ समय पहले जब परेश रावल 'हेरा फेरी 3' से बाहर हुए थे, तब 'हेरा फेरी' फ्रेंचाइजी के फैंस का दिल टूट चुका था।

सिराज अप्रभावी, कुलदीप को शामिल करने की संभावना

बुमराह की गैरमौजूदगी टीम इंडिया को पड़ ना जाए भारी

एजेंसी ● बर्मिंघम

इंग्लैंड के खिलाफ जारी पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला हार चुकी भारतीय टीम दूसरे टेस्ट में वापसी करना चाहेगी। दूसरा मैच एजबेस्टन में खेला जाएगा, जिसमें जसप्रीत बुमराह को आराम दिया जा सकता है। लीड्स टेस्ट में बुमराह ने 14वीं बार पांच विकेट हॉल लेकर इंग्लैंड पर काफी हद तक दबाव बनाया था लेकिन उन्हें अन्य गेंदबाजों का साथ नहीं मिला। मोहम्मद सिराज प्रभावी गेंदबाजी नहीं कर पाए जबकि प्रसिद्ध कृष्णा महंगे साबित हुए।

2024 में 19 पारियों में 28 विकेट

भारत और इंग्लैंड के बीच दूसरा मुकाबला दो जुलाई से खेला जाएगा। इस मैच में अगर बुमराह को आराम मिलता है तो तेज गेंदबाजी आक्रमण के नेतृत्व की जिम्मेदारी मोहम्मद सिराज पर होगी। हालांकि, सिराज फॉर्म से बाहर चल रहे हैं। 2024 से उन्होंने टेस्ट 19 पारियों में 28 विकेट हासिल किए हैं। हालांकि, उन्हें एक बार भी पांच विकेट हॉल नहीं मिला है। इस दौरान सिराज का औसत 37.5 का रहा है। वहीं, एजबेस्टन में उनके रिकॉर्ड पर नजर डालें तो उन्होंने सिर्फ एक मुकाबला खेला है। 2022 में इंग्लैंड के खिलाफ खेले गए इस मुकाबले में सिराज को पहली पारी में चार विकेट मिले थे। हालांकि, दूसरी पारी में उनके हाथ खाली रहे। लीड्स टेस्ट में 31 वर्षीय गेंदबाज को सिर्फ दो विकेट मिले और उन्होंने 173 रन लुटाए थे। वहीं, प्रसिद्ध कृष्णा ने 200 से ज्यादा रन खर्च किए, जिसका असर मैच के नतीजे पर पड़ा। अब अगर बुमराह आगामी मुकाबले में नहीं खेलेंगे तो सिराज, प्रसिद्ध और शार्दुल पर सभी की नजरें रहेंगी।

क्लार्क-अजहरुद्दीन ने की कुलदीप की वकालत

आमतौर पर एजबेस्टन की पिच स्पिन गेंदबाजों के लिए लाभदायी होती है। यही वजह है कि माइकल क्लार्क और मोहम्मद अजहरुद्दीन जैसे दिग्गजों ने कुलदीप यादव को प्लेइंग 11 में शामिल करने पर जोर दिया है। दोनों को पिच के सूखे रहने की उम्मीद है। क्लार्क ने बियॉन्ड23 पॉडकास्ट में कहा, 'गेंदबाजी के लिहाज से मैं किसी एक खिलाड़ी पर ज्यादा जोर नहीं देना चाहता, लेकिन मुझे लगता है कि उन्हें कुलदीप यादव को खिलाना चाहिए। मुझे लगता है कि यह बिल्कुल आसान है। वह विकेट लेने वाला गेंदबाज है।' वहीं, अजहरुद्दीन ने कहा, 'वे बुमराह पर बहुत अधिक निर्भर हैं। यह आसान नहीं है क्योंकि आपको अधिक अनुभवी गेंदबाजों की जरुरत है और उन्हें कुलदीप यादव को खिलाना चाहिए।'

अगर मिला मौका तो कुलदीप एजबेस्टन में खेलेंगे पहला टेस्ट

भारत के लिए 2017 में टेस्ट डेब्यू करने वाले कुलदीप अब तक 13 टेस्ट मैच खेल चुके हैं। इनमें उन्होंने 3.55 की इकोनॉमी से गेंदबाजी करते हुए 56 विकेट हासिल किए। इंग्लैंड में उन्होंने अबतक सिर्फ एक मैच खेला है, वो भी लॉर्ड्स में। 2018 में उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ उनकी धरती पर खेलने का मौका मिला था, लेकिन वह एक भी विकेट हासिल नहीं कर पाए थे। अब अगर उन्हें मौका मिलता है तो वह अपने प्रदर्शन से प्रभाव डालने की कोशिश करेंगे। इंग्लैंड के खिलाफ कुलदीप ने अब तक छह टेस्ट मैच खेले हैं। इनमें उन्होंने 21 विकेट हासिल किए हैं। हालांकि, ये सभी मैच भारतीय धरती पर खेले गए हैं।

यूरोपीय फुटबॉल में वापसी की तमाम अटकलें खत्म की

अल-नस्र के साथ क्रिस्टियानो रोनाल्डो की मेगा डील

एजेंसी ● नई दिल्ली

स्टार स्ट्राइकरक्रिस्टियानो रोनाल्डो ने कुछ समय पहले इशारा किया था कि अल-नस्र के साथ उनका करार सऊदी प्रो लीग का सफर खत्म हो सकता है, लेकिन अब उन्होंने क्लब के साथ दो साल का नया करार करके यूरोपीय फुटबॉल में संभावित वापसी की सभी अटकलों पर विराम लगा दिया है। डील के अनुसार, उन्हें कम से कम 2027 तक क्लब में रखेगा, जब वह 42 वर्ष के हो जाएंगे। पिछले कुछ सीजन से सऊदी प्रो लीग के शीर्ष गोल स्कोरर होने के बावजूद रोनाल्डो अभी तक लीग खिताब नहीं जीत पाए हैं।

क्लब के निराशाजनक प्रदर्शन ने उसे फीफा क्लब विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने से भी रोक दिया है। क्लब के साथ उनकी एकमात्र ट्रॉफी अब तक 2023 में अरब क्लब चैंपियंस कप है। इसके बावजूद क्लब ने उन्हें रखने का फैसला किया है।

रिपोर्टों के अनुसार, यह नया अनुबंध एक 'मेगा-मनी' डील है, जिसमें प्रति वर्ष GBP 178 मिलियन (लगभग 2,000 करोड़ रुपये) का मूल वेतन शामिल है। इसमें निजी जेट से लेकर क्लब में हिस्सेदार तक शामिल है।

नेट्स पर गेंदबाजी करते आए नजर

क्या दूसरे टेस्ट में खेलने की तैयारी कर रहे बुमराह?

एजेंसी ● बर्मिंघम

भारतीय टीम के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह इंग्लैंड के खिलाफ एजबेस्टन में होने वाले दूसरे टेस्ट मैच से पहले ट्रेनिंग सीजन के बाद नेट्स पर गेंदबाजी करते नजर आए। बुमराह का कार्यभार प्रबंधन को देखते हुए दूसरे टेस्ट में खेलना तय नहीं माना जा रहा है, लेकिन उन्हें नेट्स पर गेंदबाजी करने से ऐसे संकेत मिल रहे हैं कि ये अनुभवी गेंदबाज दूसरे टेस्ट में खेल सकता है।

कार्तिक को बुमराह के खेलने पर संशय

दूसरे टेस्ट मैच में खेलने के संशय के बीच बुमराह पूरी तीव्रता से गेंदबाजी करते नजर आए। बुमराह का नेट्स पर अभ्यास करते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल भी हो रहा है। भारत और इंग्लैंड के बीच दूसरा टेस्ट मैच दो जुलाई से शुरू हो रहा है। इंग्लैंड दौरे पर बुमराह का कार्यभार प्रबंध चर्चा का विषय रहा है और इस तेज गेंदबाज ने भी कहा था कि वह सीरीज के पांचों मैच में नहीं खेलेंगे। पहले टेस्ट मैच में बुमराह ने कुल 43.4 ओवर गेंदबाजी की और पांच विकेट लेने में सफल रहे थे। हाल ही में पूर्व भारतीय बल्लेबाज दिनेश कार्तिक ने भी इस बात पर संदेह जताया था कि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में खेलेंगे।

पहले टेस्ट मैच के बाद मुख्य कोच गौतम गंभीर ने इस बात को स्वीकार किया था कि बुमराह को लेकर भारतीय टीम की रणनीति में कोई बदलाव नहीं होगा और वह सीरीज में तीन मैच ही खेलेंगे। बुमराह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 के दौरान पांचवें टेस्ट मैच में चोटिल हो गए थे और उन्होंने आईपीएल 2025 से मैदान पर वापसी की थी।

जसप्रीत बुमराह चोट के कारण चैंपियंस ट्रॉफी में भी हिस्सा नहीं ले सके थे। भारतीय टीम प्रबंधन बुमराह को लेकर सतर्कता बरत रहा है।

इंग्लैंड से दूसरा टेस्ट दो जुलाई से

डिविलियर्स ने गंभीर और टीम मैनेजमेंट को लताड़ा

एजेंसी ● बर्मिंघम

भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला दो जुलाई से बर्मिंघम के एजबेस्टन में खेला जाएगा। टीम इंडिया को लीड्स में पहले टेस्ट में हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद मुख्य कोच गौतम गंभीर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में जसप्रीत बुमराह के वर्कलोड मैनेजमेंट पर बात की थी और उन्हें तीन टेस्ट खिलाने की बात कही थी। हालांकि, गंभीर के इस बयान और फैसले से दक्षिण अफ्रीका के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज एबी डिविलियर्स खुश नहीं दिखे। उन्होंने गंभीर और भारतीय टीम मैनेजमेंट को निशाने पर लिया है। साथ ही पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन का उदाहरण देकर बुमराह के वर्कलोड को भी उसी तरह मैनेज करने के लिए कहा। दरअसल, बुमराह देश हो या विदेश, हर मैदान पर भारत के प्रमुख हथियार रहे हैं। हालांकि, उनके सिर्फ तीन टेस्ट खेलने से टीम इंडिया को अन्य दो मैचों में किसी अलग गेंदबाज के

साथ उतरना पड़ेगा और इंग्लैंड की टीम इसका फायदा उठा सकती है। बुमराह के प्रभाव का अंदाजा आप इसी बात से लगा सकते हैं कि लीड्स टेस्ट की पहली पारी में उन्होंने पांच विकेट लिए तो इंग्लैंड की टीम ऑलआउट हो गई और दूसरी पारी में उन्हें विकेट नहीं मिला तो इंग्लिश टीम ने रन चेज कर लिया। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भी बुमराह ही प्रमुख गेंदबाज रहे थे।

डेल स्टेन का दिया उदाहरण

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान रह चुके डिविलियर्स ने भी एक वक्त महान गेंदबाज डेल स्टेन का वर्कलोड मैनेज किया था। स्टेन जिस भी सीरीज में दक्षिण अफ्रीका की टीम का हिस्सा होते थे तो वह सभी मैच खेलते थे। यही वजह है कि डिविलियर्स भारतीय टीम प्रबंधन के फैसले से सहमत नहीं हैं। उन्होंने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, बुमराह संभवत: इस समय सभी प्रारुपों में दुनिया का शीर्ष गेंदबाज हैं। इसलिए यह फैसला करना काफी मुश्किल है कि उन्हें आराम देने का तरीका क्या है।'उन्होंने कहा, 'मेरी राय में टेस्ट क्रिकेट खेल का सर्वोच्च प्रारुप है। मेरे विचार से बुमराह की सबसे ज्यादा जरुरत इस टेस्ट सीरीज में है कि वह पांचों मैच खेलें (क्योंकि टीम युवा है)।' स्टेन का उदाहरण देते हुए डिविलियर्स ने कहा कि बुमराह को कम महत्वपूर्ण टी20 और वनडे मैचों के लिए आराम दिया जाना चाहिए था। उन्होंने कहा, 'हम डेल स्टेन के साथ यही किया करते थे।

बिजनेस

राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस पर होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ. ए.के. द्विवेदी को दी शुभकामनाएं

संवाददाता ● इंदौर

राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के शुभ अवसर पर देश के प्रतिष्ठित होम्योपैथिक चिकित्सक, केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद (CCRH), आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के वैज्ञानिक सलाहकार बोर्ड के सदस्य डॉ. ए.के. द्विवेदी को हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए डॉ. उषा जैन (पीएच.डी., प्रोफेसर – अंग्रेजी) ने कहा कि "जब से मेरी मुलाक़ात डॉ. ए.के. द्विवेदी से हुई है, मैं उनकी चिकित्सकीय शोध, गहन अध्ययन एवं प्रभु परमात्मा के प्रति उनकी अगाध आस्था से अत्यंत प्रभावित हूँ। वे हमेशा यही कहते हैं कि 'सब कुछ परमात्मा ही करते हैं'—यह सोच मुझे बहुत प्रेरित करती है।"

डॉ. जैन ने आगे कहा कि डॉ. द्विवेदी केवल होम्योपैथी तक सीमित नहीं हैं, बल्कि योग, प्राकृतिक चिकित्सा एवं भारतीय पारंपरिक आहार जैसे गुड़-चना के माध्यम से भी लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक कर रहे हैं। "मैं पहले भी गुड़-चना खाती थी, परंतु जब से डॉ. द्विवेदी जी से मिली, तभी से इसके महत्व को गहराई से समझा और इसे नियमित जीवनशैली में अपनाया। परिणामस्वरूप, जहां पहले मेरा हीमोग्लोबिन स्तर मात्र 4-5 ग्राम/प्रतिशत रहता था, अब यह 12-13 ग्राम/प्रतिशत तक पहुँच गया है। यह मेरे जीवन का सबसे बड़ा स्वास्थ्य परिवर्तन है, जिसका सम्पूर्ण श्रेय डॉ. ए.के. द्विवेदी को जाता है।"

डॉ. द्विवेदी सिकल सेल रोग एवं अप्लास्टिक एनीमिया जैसे गंभीर रोगों के प्रति जनजागरूकता अभियान भी लगातार चला रहे हैं। वे केवल रोगियों की चिकित्सा ही नहीं करते, बल्कि रोग-प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाकर स्वस्थ समाज के निर्माण में भी योगदान दे रहे हैं। राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के इस अवसर पर डॉ एके द्विवेदी जी को उनके इन नेक कार्यों के लिए शुभकामनाएं देना स्वयं में एक सौभाग्य है।

रोटरी क्लब ऑफ इंदौर प्रोफेशनल्स की कार्यकारिणी घोषित, भानु तापड़िया बने निर्वाचित अध्यक्ष

संवाददाता ● इंदौर

इंदौर की प्रतिष्ठित संस्था रोटरी क्लब ऑफ इंदौर प्रोफेशनल्स ने सत्र 2025–26 के लिए अपनी नई कार्यकारिणी की घोषणा कर दी है। पूर्ण पारदर्शिता और लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत हुए चुनाव में रोटेरियन भानु तापड़िया को क्लब का नया अध्यक्ष चुना गया है, वहीं सचिव पद की जिम्मेदारी रोटेरियन सुनील अत्री को सौंपी गई है। नई टीम 1 जुलाई 2025 से कार्यभार संभालेगी।

इस अवसर पर नवनिर्वाचित अध्यक्ष रोटेरियन भानु तापड़िया ने कहा कि क्लब सदैव रोटरी के सिद्धांतों पर चलते हुए सेवा कार्यों को नई दिशा देने का प्रयास करता रहा है और आगे भी शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण संरक्षण जैसे सामाजिक कार्यों पर विशेष ध्यान देगा। उन्होंने भरोसा जताया कि सभी सदस्यों के सहयोग से क्लब अपनी गतिविधियों को और प्रभावी बनाएगा और समाज में सकारात्मक बदलाव लाएगा।

क्लब सचिव रोटेरियन सुनील अत्री ने कहा कि नई कार्यकारिणी क्लब की कार्यप्रणाली को अधिक संगठित और उत्तरदायी बनाए रखने के लिए प्रयास करेगी। रोटरी क्लब ऑफ इंदौर प्रोफेशनल्स विगत वर्षों से शिक्षा, स्वास्थ्य, सामुदायिक सेवा और युवाओं के मार्गदर्शन जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देता आया है।

नए सत्र में भी क्लब द्वारा युवाओं के लिए करियर गाइडेंस सेमिनार, रक्तदान शिविर, वृक्षारोपण अभियान और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए सहायता योजनाओं जैसी विभिन्न गतिविधियां नियोजित की जाती रहेंगी। क्लब अपनी गौरवशाली परंपराओं को आगे बढ़ाते हुए शहर में सेवा और सहयोग की भावना को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

प्रो. डॉ. योगेश सी. गोस्वामी श्री वैष्णव यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर नियुक्त

संवाददाता ● इंदौर

श्री वैष्णव विद्यापीठ विवि इंदौर ने प्रो. डॉ. योगेश सी. गोस्वामी को अपना नया कुलगुरु नियुक्त किया है। दो से अधिक दशकों के अकादमिक अनुभव, नवाचार दृष्टिकोण और अनुसंधान में 24 वर्षों से अधिक की समृद्ध पृष्ठभूमि लिए प्रोफेसर गोस्वामी एआईसीटीई यंग टीचर करियर अवार्डी होने के साथ साथ अकादमिक उत्कृष्टता के लिए पहचाने जाते हैं। प्रो. गोस्वामी के शैक्षिक योगदानों में अभी तक 100 से अधिक प्रकाशित शोधपत्र, सह-लेखक पुस्तक अध्याय एवं डॉक्टरेट कार्य संपन्न हुए हैं। प्रतिष्ठित रॉयल सोसाइटी ऑफ केमिस्ट्री के प्रतिष्ठित संपादकीय बोर्डों में डॉ गोस्वामी का नाम शुमार है। श्री वैष्णव यूनिवर्सिटी से पहले, प्रोफेसर गोस्वामी आईटीएम विवि, ग्वालियर में डीन - रिसर्च एवं डेवलपमेंट/साइंस के उच्च पद पर कार्यरत थे। विवि कुलाधिपति पुरषोत्तमदास पसारी ने गर्वित होकर कहा कि बीते एक दशक में श्री वैष्णव यूनिवर्सिटी ने प्रख्यात शिक्षाविद डॉ उपिंदर धर (मानद कुलपति-सेवानिवृत) के कुशल अकादमिक नेतृत्व में अभूतपूर्व विकास किया है और अब यह अपने नए कुलपति की नियुक्ति के साथ और नए आयामों को छुएगी।

बच्चे एक लक्ष्य बनाएं और उसपर अडिग रहें, यही सफलता का मूल मंत्र - डॉ. लीला जोशी

संवाददाता ● इंदौर

मालवा की मैडम मोंटेसरी, बाल शिक्षा की जननी और समाजसेवा को शिक्षा से जोड़ने वाली महान विभूति स्वर्गीय पद्मश्री शालिनी ताई मोघे की 14वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में पागनीस पागा स्थित बाल निकेतन संघ द्वारा आयोजित दो दिवसीय विशेष व्याख्यान श्रृंखला का भावपूर्ण शुभारंभ हुआ। 30 जून की सुबह संस्था प्रांगण में आयोजित पहले दिन के कार्यक्रम में देश की प्रसिद्ध समाजसेविका एवं महिला स्वास्थ्य क्षेत्र की सशक्त आवाज, पद्मश्री डॉ. लीला जोशी ने अपने अनुभव साझा किए। इस आयोजन का उद्देश्य न केवल शालिनी ताई के अतुलनीय योगदान को स्मरण करना है, बल्कि उनके सेवा-संकल्प, शिक्षण दृष्टिकोण और सामाजिक चेतना को नई पीढ़ी के समक्ष प्रस्तुत करना भी है।

कार्यक्रम की शुरुआत परंपरागत दीप प्रज्वलन, प्रार्थना, भजन और शालिनी ताई के चित्र पर माल्यार्पण के साथ हुई। इसके पश्चात बाल निकेतन संघ के विद्यार्थियों ने एक विशेष गीत प्रस्तुत किया, जिसे उन्होंने भूतपूर्व शिक्षिका नेहा एंदलाबादकर द्वारा शालिनी ताई की स्मृति में लिखा और तैयार किया था। गीत के बोल—"जो डरी नहीं, रुकी नहीं, तुम एक वो मिसाल हो"—ने पूरे सभागार को भावविभोर कर दिया। इस गीत में ताई के संघर्ष, समर्पण और अद्वितीय सेवा को बच्चों की मासूम लेकिन गहरी अभिव्यक्ति में उतारा गया था, जिसने श्रोताओं की आंखें नम कर दीं।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि, मध्यप्रदेश की 'मदर टेरेसा' के नाम से विख्यात, पद्मश्री डॉ. लीला जोशी रहीं। उन्होंने अपने व्याख्यान में न केवल स्वास्थ्य सेवा के अनुभव साझा किए, बल्कि बच्चों के मानसिक, शारीरिक और भावनात्मक विकास पर भी गंभीर चिंतन प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा, "बच्चों को अपने लक्ष्य पर अर्जुन की तरह ध्यान केंद्रित करना चाहिए। जिस तरह अभिमन्यु ने गर्भ में रहकर चक्रव्यूह में प्रवेश की कला सीखी थी, उसी तरह आज के बच्चे भी गर्भकाल से ही अपने आसपास के वातावरण से सीखते हैं। यह हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है कि हम उन्हें एक सकारात्मक, संस्कारयुक्त वातावरण दें। एक अच्छी शुरुआत ही अच्छे समाज की नींव होती है।"

उन्होंने विशेष रूप से गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य, भावनात्मक स्थिति और उनके संपर्क में आने वाले सामाजिक परिवेश को महत्त्वपूर्ण बताया। "मातृत्व का सम्मान और उसकी सुरक्षा समाज के प्रत्येक सदस्य की जिम्मेदारी है।

!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!
दैनिक अदित्य भारत
सदैव सत्य के साथ...
इंदौर, मंगलवार, 01 जुलाई, 2025
www.adityabharat.com

मछलियों की तलाश...

शेंडोंग प्रांत में तट पर मशालों के साथ निवासियों और पर्यटकों की भीड़ नूडलफिश पकड़ने की कोशिश करती है। हाल ही में बड़ी संख्या में नूडलफिश तटों पर उमड़ पड़ी हैं, जिससे कई लोग आकर्षित हुए हैं।

शॉट न्यूज

अमेरिका शादी करने गई महिला लापता

न्यूयॉर्क। शादी करने के लिए अमेरिका पहुंची एक 24 वर्षीय महिला लापता हो गई है। स्थानीय पुलिस के मुताबिक लापता हुई महिला की पहचान सिमरन के रूप में हुई है, फिलहाल इस बात की जानकारी सामने नहीं आ पाई है कि वह भारत में कहां से आती है। सबसे बड़ी परेशानी यह है कि अमेरिका में उसका कोई परिवार वाला भी नहीं रहता है और वह अंग्रेजी भी नहीं बोल पाती है। पुलिस ने उसके परिवार वालों से भी संपर्क करने की कोशिश की है लेकिन वह भी नहीं हो सका।न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक सिमरन 20 जून को अमेरिका पहुंची थी, इसके पांच दिन बाद ही वह लापता हो गई। इस मामले की जांच कर रहे पुलिस अधिकारियों के मुताबिक इस बात की संभावना जताई जा रही है कि वह अमेरिका में घुसने के लिए शादी करने का बहाना बना रही थी।

बांग्लादेश में हिंदू महिला से रेप, वीडियो वायरल होने के बाद बवाल

ढाका। बांग्लादेश के कूमिला में हिंदू महिला के साथ रेप की घटना के बाद भी प्रशासन कानों में उंगली डाले रहा। इसके बाद महिला के यौन उत्पीड़न का वीडियो वायरल होने लगा। विरोध प्रदर्शनो और बवाल के बाद प्रशासन ने इस मामले में कार्रवाई की है। पुलिस का कहना है कि रेप के मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। घटना का वीडियो वायरल होने के बाद ढाका विश्वविद्यालय के छात्र विरोध प्रदर्शन करने लगे। विश्वविद्यालय के जगन्नाथ छात्रावास के छात्रों ने जुलूस निकाले। पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की पार्टी बीएनपी के हासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम ने आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई और सजा की मांग की है।बांग्लादेश के एक हाई कोर्ट ने प्रशासन से कहा है कि तत्काल वीडियो को सोशल मीडिया से हटवाया जाए। दो जजों की बेंच ने सरकार से कहा है कि पीड़िता को सुरक्षा दिलवाई जाए और उसका इलाज करवाया जाए।

बोले- पछताने पर मजबूर कर दो, मुस्लमानों से एकजुट होने की अपील की

ईरान के धर्मगुरु का ट्रम्प-नेतन्याहू के खिलाफ फतवा

तेहरान ● एजेंसी

ईरान के सबसे सीनियर शिया धर्मगुरु ग्रैंड अयातुल्ला नासिर मकारिम शिराजी ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के खिलाफ एक धार्मिक फतवा जारी किया है। उन्होंने इन दोनों नेताओं को अल्लाह का दुश्मन बताया है। साथ ही दुनिया भर के मुसलमानों से कहा है कि वे एकजुट होकर इन नेताओं को ईरान पर हमले के लिए पछताने के लिए मजबूर करें। मकारिम शिराजी ने अपने फतवे में कहा... जो कोई भी ईरान के सर्वोच्च नेता या किसी मरजा को नुकसान पहुंचाने या धमकाने की कोशिश करता है, वह मोहरिब यानी जंग को पसंद करने वाला अपराधी होगा। फतवा इस्लामी कानून की व्याख्या होती है। इसे मरजा की तरफ से जारी किया जाता है। मरजा बारह इमामी शिया मुसलमानों के सबसे ऊंचे धार्मिक पद को कहा जाता है।

अपील

ईरान को इजराइल से सीजफायर पर भरोसा नहीं

ईरान ने इजराइल के साथ युद्धविराम पर शक जताया। ईरान के चीफ ऑफ स्टाफ अब्दोलरहीम मूसवी ने रविवार को सऊदी रक्षा मंत्री प्रिंस खालिद बिन सलमान से फोन पर बातचीत में कहा- हमें दुश्मन (इजराइल) के साथ युद्धविराम पर शक है। अगर फिर से कोई हमला हुआ, तो हम उसका मुंहतोड़ जवाब देंगे। मूसवी ने कहा कि जब ईरान अमेरिका के साथ परमाणु वार्ता में व्यस्त था, तब इजराइल ने उस पर हमल कर दिया और अमेरिका ने उसका साथ दिया। इससे पता चलता है ये दोनों देश किसी भी अंतरराष्ट्रीय नियम-कानून का पालन नहीं करते। उन्होंने यह भी कहा-जंग हमने शुरु नहीं की है, लेकिन हमने हमलावर को अपनी पूरी ताकत से जवाब दिया। दोनों अधिकारियों ने डिफेंस के साथ- साथ कई द्विपक्षीय मुद्दे पर भी बात की। इजराइल और ईरान के बीच 12 दिन की लड़ाई के बाद 24 जून को सीजफायर हो गया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इसका ऐलान किया है। इस लड़ाई में ईरान के 610 और इजराइल के 28 लोग मारे गए।

ईरान के पास एटम बम बनाने के लिए यूरेनियम मौजूद

यूएन की इंटरनेशनल एटॉमिक एनर्जी एजेंसी (IAEA) ने रविवार को कहा कि ईरान कुछ महीनों में अपना न्यूक्लियर प्रोग्राम फिर से शुरु कर सकता है। जबकि अमेरिकी ने B-2 बॉम्बर से हमला कर ईरान के फोर्डो, नतांज और इस्फहान न्यूक्लियर साइट्स को तबाह करने का दावा किया था। IAEA डायरेक्टर राफेल ग्रॉसी ने एक न्यूज चैनल को दिए इंटरव्यू में कहा कि ईरान की कुछ न्यूक्लियर फैसिलिटी अभी भी बची हुई हैं। उन्होंने कहा- ईरान के पास 60% प्योर यूरेनियम का भंडार है, जो एटम बम बनाने के लिए काफी है। इस भंडार को अमेरिकी हमले से पहले हटा दिया गया था या फिर ये तबाह हो गया, यह अभी तक स्पष्ट नहीं है।

प्रयागराज बवाल मामले में पुलिस का एक्शन...

उपद्रव करने वाले 20 से ज्यादा गिरफ्तार, 40 से ज्यादा बाइकें सीज

प्रयागराज ● एजेंसी

प्रयागराज के करछना तहसील के इसौटा गांव में हुए बवाल के बाद पुलिस एक्शन में है। आगजनी, तोड़फोड़ और पथराव के बाद पुलिस अब बवालियों की धरपकड़ में जुट गई है। उनके खिलाफ एनएसए के तहत कार्रवाई की जाएगी। वहीं, बवाल के बाद मौके पर करीब 42 बाइक लावारिस हालत में मिलीं, जिन्हें पुलिस ने सीज कर दिया है। माना जा रहा है कि यह बाइक उपद्रव में आए युवकों की हैं, जो पुलिस के खदेड़ने पर बाइक छोड़कर ही भाग निकले।

फिलहाल, बाइकों के नंबर से पता लगाया जा रहा है कि ये गाड़ियां किन लोगों के नाम पर हैं। इन्हें नोटिस भेजकर पूछताछ के लिए बुलाया जाएगा। अपर पुलिस आयुक्त अपराध, अजयपाल शर्मा के मुताबिक, 50 से 60 लोग चिन्हित कर लिए गए हैं। 20 से अधिक

आरोपियों को गिरफ्तार भी कर लिया गया है। फोटो/वीडियो के आधार पर धरपकड़ जारी है। वहीं, आजाद समाज पार्टी के मुखिया चंद्रशेखर आजाद का कहना है कि बवाल करने वाले उनकी पार्टी के कार्यकर्ता नहीं थे। पार्टी कार्यकर्ता 8 घंटे तक सर्किट हाउस में ही उनके साथ शांतिपूर्ण तरीके से बैठे रहे। उन्होंने इस पूरे उपद्रव के पीछे किसी साजिश की ओर इशारा किया। दरअसल, बीते दिन प्रयागराज पुलिस ने नगीना के सांसद चंद्रशेखर आजाद को एक दलित व्यक्ति के परिवार से मिलने के लिए इसौटा गांव जाने से रोक दिया था।

इजराइल पर फिलिस्तीनियों को ड्रग्स देने का आरोप

गाजा भेजी आटे की बोरियों में नशीली गोलियां मिलीं

गाजा ● एजेंसी

गाजा के सरकारी मीडिया ऑफिस (जीएमओ) ने आरोप लगाया कि गाजा ह्यूमैनिटेरियन फाउंडेशन (जीएचएफ) ने फिलिस्तीनी लोगों को जो आटे की बोरियां दी हैं, उनमें ऑक्सीकोडोन नाम की नशीली गोलियां मिली हैं। जीएचएफको इजराइली सेना चलाती है और इसे अमेरिका से सपोर्ट मिलाता है। इस खुलासे के बाद गाजा में मानवीय संकट और गहरा गया है। जीएमओ ने कहा कि 4 लोगों के आटे की बोरियों में नशीली गोलियां मिली हैं। आशंका है कि जानबूझकर आटे में कुछ नशीले पदार्थ मिलाए गए, जिसे फिलिस्तीनियों ने खा लिया। जीएमओ ने कहा कि यह लोगों को नशे की लत लगाने की साजिश है। इजराइल नशीली दवाओं को हथियार के तौर में इस्तेमाल कर रहा है। यह वॉर क्राइम और अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन है।

आरोप

इजराइली सेना पर यह भी आरोप है कि शुक्रवार को उसने दक्षिणी गाजा में जीएचएफ के रिलीफ सेंटर्स पर इंतजार कर रहे 10 निहत्थे फिलिस्तीनियों को गोली मार दी। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, जीएचएफ

का रिलीफ प्रोग्राम शुरू होने के बाद से पिछले एक महीने में रिलीफ सेंटर्स पर 550 से ज्यादा फिलिस्तीनी मारे जा चुके हैं। इजराइली अखबार हारेत्ज ने कुछ अनाम सैनिकों के हवाले से बताया कि इजराइली सैनिकों को निहत्थे फिलिस्तीनियों पर गोली चलाने के आधिकारिक आदेश दिए गए थे। एक सैनिक ने कहा- हमने टैंकों से, मशीनगनों से गोलियां चलाईं और ग्रेनेड फेंके। एक अन्य सैनिक ने बताया कि उसके इलाके में हर दिन एक से पांच लोग मारे जा रहे है।

इजराइल ने सभी आरोपों को खारिज किया

इजराइली सेना ने इन आरोपों को सिर से खारिज किया और कहा कि इनकी जांच की जाएगी। इजराइली सेना ने कहा कि उसने अपने सैनिकों आदेश दिया है कि निहत्थे लोगों को नुकसान नहीं पहुंचाया जाए। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने भी इस रिपोर्ट को खारिज किया है।

गाजा में भुखमरी जैसे हालात

इजराइली रक्षा मंत्रालय ने एक हफ्ते पहले बताया था कि गाजा पट्टी में मानवीय सहायता के लिए 350 ट्रक भेजे गए हैं। इन ट्रकों में UN और अंतरराष्ट्रीय समुदाय की तरफ से भेजी गई आटे और खाद्य सामग्री जैसी मदद है। यह मदद केरेम शालोम क्रॉसिंग के रास्ते भेजी गई थी। इससे पहले गाजा में 2 मार्च से अनाज नहीं पहुंचा था। खाने-पीने के सामानों की कमी के चलते गाजा में भुखमरी का खतरा बढ़ था। हालात अभी भी गंभीर बने हुए हैं। नेतन्याहू का कहना है कि इजराइल यह तय करेगा कि मदद सिर्फ जरुरतमंद लोगों तक पहुंचे और हमास को न मिले।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक - दीपक बुड़ाना द्वारा चैतन्य लोक ग्राफिक्स, एलयूएन-22, सेक्टर-एफ इंडस्ट्रियल एरिया, सांवेर रोड इंदौर (मध्यप्रदेश) से मुद्रित एवं 66 बी शुभम पैलेस, छोटा बांगड़दा रोड इंदौर से प्रकाशित।
संपादक- दीपक बुड़ाना, आर.एन.आई. नबंर - MPHIN/2014/56594 (सभी विवादों का न्यायलय क्षेत्र इंदौर रहेगा)